सोशल मीडिया से जुड़ें

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 263, नई दिल्ली

सोमवार, 04 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों न हो, प्रयास और अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है !

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर हादसों को रोकने की कवायद शुरू

हवा हवाई रेस्टोरेंट ढकने को दोनों तरफ बनेगी 4 फीट ऊंची दीवार

संजय बाटला

वाहन चलाते समय चालक के पलक झपकने और निगाहें इधर-उधर फेरने भर से हादसा हो जाता है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे स्थित हवा-हवाई रेस्टोरेंट के पास पहुंचने पर अक्सर वाहन चालक की नजर हवाई जहाज पर चली जाती है और वाहन का संतुलन बिगड़ने पर हादसा हो जाता है। पिछले एक साल में इसके पास हुए 10 हादसों में सात लोगों की मौत हो चुकी है।

गाजियाबाद। वाहन चलाते समय चालक के पलक झपकने और निगाहें इधर-उधर फेरने भर से हादसा हो जाता है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे स्थित हवा-हवाई रेस्टोरेंट के पास पहुंचने पर अक्सर वाहन चालक की नजर हवाई जहाज पर चली जाती है और वाहन का संतुलन बिगड़ने पर हादसा हो जाता है। पिछले एक साल में इसके पास हुए 10 हादसों में सात लोगों की मौत हो चुकी है और 25 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं।

इन हादसों को रोकने के लिए एनएचएआइ ने निर्णय लिया है कि इस रेस्टोरेंट के आसपास 600 मीटर लंबे मार्ग पर दोनों तरफ चार फीट ऊंची दीवार बनाई जाएगी। सर्वे के बाद प्रस्ताव बनाकर भेज दिया है।

एक वर्ष में 10 हादसों में सात लोगों की मौत और 25 हुए घायल

13 जुलाई को रामबीर की मौत हो गई और मोहित घायल हो गया।

दो नवंबर को हवाई जहाज देखने के लिए रुकी कार में पीछे से दूसरी कार ने टक्कर मार दी। पांच लोग घायल हो गए।

18 अगस्त को मुजफ्फरनगर के रहने वाले विकास मलिक अपनी मां मुकेश देवी के साथ बाइक से नोएडा जा रहे थे। हवा हवाई रेस्टोरेंट देखने के चक्कर में उनकी बाइक आगे चल रहे वाहन से टकरा गई। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

24 अगस्त को हवाई जहाज देखने की चक्कर में ध्यान भटकने पर ही छह कारें आगे पीछे एक दूसरे से भिड़ गई थीं। इसमें 12 लोग घायल हुए थे। वाहनों में काफी नुकसान हो गया।

14 सितंबर को हवा-हवाई रेस्टोरेंट के पास यूपी रोडवेज की बस लहराते हुए 20 फुट गहरी खाई में गिर गई। इसमें 23 से ज्यादा सवारियां भी सवार थीं। एक महिला की मौत हो गई।

नौ नवंबर को हवाई जहाज देखने के चक्कर में ध्यान भटकने पर विपिन निवासी जाहिदपुर, थाना सरूरपुर, मेरठ की मौत हो गई थी। वह स्कूटी से अपनी बहन की शादी का दोस्तों को कार्ड देने जा रहा था।

30 नवंबर को हुए हादसे में राहुल और शिवनंदन की मौत हो गई। सागर घायल हो गया।

हवा हवाई रेस्टोरेंट को देखने के चक्कर में आए दिन सड़क हादसों में लोगों की जान जा रही है। इस रेस्टोरेंट के साथ ही खड़े हुए हवाई जहाज को ढकने के लिए दोनों तरफ चार फीट ऊंची दीवार बनाने का निर्णय लिया गया है। सर्वे के बाद तैयार किए गए प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रालय को भेजा है। अनुमति मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

- अरविंद कुमार, परियोजना निदेशक एनएचएआइ

गलत साइड से आई कार ने रेपिडो बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

परिवहन विशेष न्यूज

सेक्टर 17/18 थाना क्षेत्र में इफको चौक के पास रांग साइड आई कार ने रेपिडो बाइक को टक्कर मार दी। घटना में इलाज के दौरान बाइक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

गुरुग्राम। सेक्टर 17/18 थाना क्षेत्र में इफको चौक के पास रांग साइड आई कार ने रेपिडो बाइक को टक्कर मार दी। घटना में इलाज के दौरान बाइक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया।

दिल्ली के बदरपुर निवासी अनिल कुमार पासवान ने पुलिस को बताया कि उनके छोटे भाई 36 वर्षीय अखिलेश उनके साथ रहते थे और रेपिडो बाइक टैक्सी चलाते थे। अखिलेश 30 नवंबर की शाम साढ़े छह बजे घर से निकले थे। बताया जाता है कि वह किसी सवारी को गुरुग्राम लेकर आए थे।

इधर से भी एक युवक सचिन ने उनकी बाइक को इफको चौक से दिल्ली के गोविंदपुरी के लिए बुक किया था। जैसे ही वह सचिन को लेकर सर्विस रोड होते हुए दिल्ली की तरफ जा रहे थे, इसी दौरान सामने से रांग साइड सर्विस रोड पर आई कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

दोनों ने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन बाइक घिसटने के दौरान अखिलेश के सिर से हेलमेट उतर गया और उनके सिर में काफी चोट आई। सचिन ने अखिलेश को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया।

इसके बाद रात 12 बजे उनके बड़े भाई अनिल गुरुग्राम पहुंचे और वह अखिलेश को दिल्ली के ट्रामा सेंटर लेकर चले गए। यहां इलाज के दौरान शनिवार दोपहर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सचिन ने बताया कि सामने से आई कार को वह देख नहीं सके, लेकिन वह आल्टो या वैगनार की तरह लग रही थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएम योगी बोले: यूपी में आदतन यातायात नियम तोड़ने वालों का रद्द होगा ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन किए जाएंगे सीज

परिवहन विशेष न्यूज

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शनिवार उप्र राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक हुई। इसमें उन्होंने दुर्घटनाओं और इनमें होने वाली मौतों को न्यूनतम करने के लिए ठोस प्रयास पर जोर दिया। कहा कि वाहन चलाने वाले हर व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना होगा।

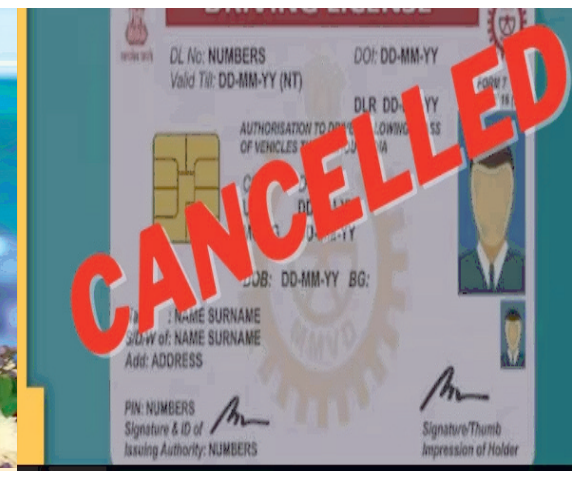

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आदतन यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किए जाएं। उनके वाहन भी सीज होने चाहिए। साथ ही कहा कि स्पीड ब्रेकर बनाते समय लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शनिवार उप्र राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक हुई। इसमें उन्होंने दुर्घटनाओं और इनमें होने वाली मौतों को न्यूनतम करने के लिए ठोस प्रयास पर जोर दिया। कहा कि वाहन चलाने वाले हर व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना होगा। पहले लोगों को जागरूक करें और पुनः उल्लंघन पर पेनाल्टी लगाएं। सीएम ने कहा कि कोहरे में हादसों को कम करने के लिए जागरूकता, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी केयर पर फोकस करने की आवश्यकता है। कहा, आगामी 15 दिसंबर से 31 दिसंबर तक 'सड़क सुरक्षा पखवारे' के रूप में मनाया जाए। गृह, परिवहन, पीडब्ल्यूडी, बेसिक, माध्यमिक शिक्षा, एक्सप्रेसवे और हाइवे प्राधिकरण आदि के बेहतर समन्वय के साथ इसे सफल बनाना होगा। सीएम ने कहा कि यूपी देश का पहला राज्य है, जिसने सड़क दुर्घटना जांच योजना प्रारंभ की है। इसमें तीन या इससे अधिक मृत्यु वाली दुर्घटना की जांच अनिवार्य रूप से समिति के माध्यम से करनी होगी।

यातायात पुलिस के साथ लगाएं पीआरडी जवान

सीएम ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए सरकार द्वारा होमगार्डों की तैनाती की गई है। स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप इसमें पीआरडी जवानों की तैनाती की जाए। दुर्घटना की स्थिति में 'आपदा मित्रों' की सेवाएं ली जाएं।

कमर तोड़ने वाले न हों स्पीड ब्रेकर

उन्होंने कहा कि खराब रोड इंजीनियरिंग बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बनती है। पीडब्ल्यूडी, स्टेट हाईवे और एनएचएआई के मार्गों पर चिह्नित ब्लैक स्पॉट सुधार के काम शीघ्र पूरे हों। स्पीड ब्रेकर कमर तोड़ने वाले न बनाए जाएं।

लखनऊ में होगी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना

सीएम ने कहा कि यातायात विभाग लखनऊ में ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना करे। डाटा विश्लेषण प्रणाली की स्थापना का काम भी किया जाए। संचालित व प्रस्तावित सभी इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को यूपी 112 से जोड़ा जाए।

यह निर्देश भी

- ट्रॉमा सेंटर में अन्य सेवाओं के साथ ऑर्थोपेडिक और न्यूरो सर्जन की तैनाती जरूर हो।
- हर जिले में एआरटीओ (रोड सेफ्टी) की तैनाती हो। पदों के सृजन का प्रस्ताव यथाशीघ्र भेजा जाए।
- कानपुर, आगरा, मेरठ, झांसी, प्रयागराज व गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में कौशल विकास केंद्र की स्थापना का कार्य शीघ्र पूरा करें।
- भारी वाहन के चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस नवीनीकरण के समय आंखों की जांच जरूर हो।
- स्थानीय प्रशासन अवैध टैक्सी स्टैंड की समस्या का स्थायी समाधान करे।
- बेसिक विद्यालयों में बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए। माध्यमिक में निबंध लेखन व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हो।

आगरा सड़क हादसा: हाईवे पर अराजक यातायात

पुलिस-प्रशासन लाचार; हर साल जान गवां रहे 500 लोग

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा में हर साल सड़क हादसों में औसतन 500 लोग जान गवां रहे हैं। बात की जाए ते वाटर वर्क्स से सिकंदरा तक हाईवे पर सफर सुरक्षित नहीं है। इसके पीछे की बड़ी वजह हाईवे पर अराजक यातायात है।

आगरा। आगरा में दिल्ली हाईवे पर यातायात अव्यवस्था सिकंदरा से वाटर वर्क्स तक दुर्घटनाओं का कारण है। परिवहन विभाग की ओर से जारी की गई सूची के अनुसार जिले में हर साल औसतन 537 लोग सड़क हादसों में जान गवां रहे हैं। पुलिस-प्रशासन लाचार है। हाईवे पर यातायात अराजक हो रहा है। रोकथाम के नाम पर बैठकों के दौर चल रहे हैं, लेकिन धरातल पर हकीकत नहीं बदल रही।

हाईवे पर छोटे वाहनों के लिए चलना सुरक्षित नहीं रहा। भगवान टॉकीज फ्लाइओवर के नीचे अबुल उलाह दरगाह तक सरकारी व निजी बसें डग्गेमारी के लिए खड़ी रहती हैं। लॉयर्स कॉलोनी कट, आईएसबीटी पर हाईवे किनारे बसें खड़ी रहती हैं। गुरुद्वारा गुरु का ताल के सामने दिनभर लोग जाम से जूझने को मजबूर हैं।

सिकंदरा चौराहा तक कोई कट नहीं। ऐसे में सैकड़ों वाहन उल्टी दिशा में दौड़ रहे हैं।

अराजकता इस कदर है कि हाईवे पर दुपहिया व चार पहिया वाहन आए दिन हादसों का शिकार हो रहे हैं। यह स्थिति तब है जब पिछले तीन साल से हाईवे पर सुगम व सुरक्षित यातायात के लिए डीएम ने एनएचएआई, यातायात पुलिस व अन्य विभागों की कमेटी बनाई थी। कमेटी की सिफारिशें कागजों से बाहर नहीं आ सकीं।

नेशनल चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स अध्यक्ष राजेश गोयल ने गुरुद्वारा के सामने अंडरपास बनाने की मांग रखी थी लेकिन नतीजा शून्य रहा। पूर्व अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल के अनुसार हर बार उद्योग बंधु की बैठक में मंडलायुक्त के समक्ष इस बिंदु को उठाया जाता है। एनएचएआई को अंडरपास बनाना था। जिसका प्रस्ताव अब मेट्रो से मांगा है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

45 साल की उम्र में मिला पहला मंच...जागर गायन से मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान!

बसंती बिष्ट ने इसी दौरान उन्होंने अपनी मां से लोकसंगीत को करीब से जाना. गांव में लगने वाले नंदा देवी लोकजात से लेकर राजजात सहित अन्य कार्यक्रमों में जाकर उन्होंने जागरों को सीखा. लेकिन उस समय तक महिलाओं की मंचों पर जागर गाने की परंपरा नहीं थी इसलिए बसंती बिष्ट को चाह कर भी उचित मंच नहीं मिल पाया था.

प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती है यह बात पूरी तरह से पद्म श्री से सम्मानित बसंती बिष्ट पर सटीक बैठती है. जिन्हें 45 साल में पहली बार मंच मिला जिसके बाद से उन्हें अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली.बसंती बिष्ट सीमांत जनपद चमोली के देवाल ब्लॉक के ल्वाणी गांव की हैं. उनका जन्म 14 जनवरी 1952 को बिरमा देवी के घर हुआ. ग्रामीण परिवेश में पली बढ़ी बसंती 5 वीं तक ही पढ़ाई कर सकी. और 15 बरस की छोटी आयु में इनका विवाह ल्वाणी गांव के ही रंजीत सिंह बिष्ट के साथ हुआ. जो फौज में तैनात थे. तेरह बरस से लेकर बत्तीस बरस तक बसंती ने अपने परिवार को संभाला.

बसंती बिष्ट ने इसी दौरान उन्होंने अपनी मां से लोकसंगीत को करीब से जाना. गांव में लगने वाले नंदा देवी लोकजात से लेकर राजजात सहित अन्य कार्यक्रमों में जाकर उन्होंने जागरों को सीखा. लेकिन उस समय तक महिलाओं की मंचों पर जागर गाने की परंपरा नहीं थी इसलिए बसंती बिष्ट को चाह कर भी उचित मंच नहीं मिल पाया था. 32 साल में वो अपने पति रणजीत सिंह के साथ पंजाब चली गईं. जहां उन्होंने लोक संगीत की बारीकियां सीखी और देहरादून लौटीं.

राज्य आंदोलन को गीतों से दी नई धार

बसंती बिष्ट ने उत्तराखंड के राज्य आंदोलन में हिस्सा लिया. आंदोलन के दौरान उन्होंने गीत गाए, जिससे उन्हें एक नया हौसला मिला. मुजफ्फरनगर, खटीमा, मसूरी गोलीकांड की घटना ने उन्हें बेहद आहत किया. जिसके बाद अपने लिखे गीतों से उन्होंने आंदोलन को एक नई गति प्रदान की. उन्होंने कई मंचों पर आंदोलन के दौरान गीत भी गाए. इन गीतों को लोगों ने खूब सराहा. जिसके बाद बसंती बिष्ट ने पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा.

ऐसे मिला बोलांदी नंदा नाम!

विश्व की सबसे बड़ी पैदल धार्मिक यात्रा हिमालयी महाकुंभ ऐतिहासिक नंदा राजजात यात्रा का हमारे पास कोई स्पष्ट लिखित दस्तावेज/इतिहास नहीं है. नंदा राजजात का जो भी इतिहास है उसकी जानकारी हमें यहां के लोक जागरों और गीतों से मिलती है. बसंती की मां को नंदा के प्रति बचपन से ही खूब आस्था रही है. उन्होंने अपनी मां से नंदा के जागरों को सीखकर बचपन में ही इन्हें आत्मसात कर लिया. जो आज भी बसंती को कंठस्थ हैं. हर साल आयोजित होने वाली नंदा देवी की वार्षिक लोकजात से लेकर बारह बरस में आयोजित होने वाली नंदा देवी राजजात यात्रा में नंदा के धाम कुरूड़ से डोली कैलाश के लिए विदा करते समय बसंती के नंदा के जागरों को सुनकर हर किसी की आंखें छलछला उठती है. जिस कारण इन्हें बोलांदी नंदा कहा जाता है.

45 साल की उम्र में पहली बार मिला मंच!

इसके अलावा 45 बरस की उम्र में देहरादून में गढ़वाल सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जब उन्होंने पहली बार मंच पर जागरों की एकल प्रस्तुति दी तो ठेठ पहाड़ी शैली की जादुई आवाज ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया. पूरे मैदान में तालियों की गड़गड़ाहट ने बसंती के सपनों की उड़ान को वो पंख दिए कि आज वह पद्मश्री सम्मान हासिल कर चुकी हैं.

उत्तराखंडी पोशाक को दिलाई नई पहचान!

उत्तराखंडी जागरों, लोकगीतों और पोशाक को विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए बसंती बिष्ट को 26 जनवरी 2017 को भारत सरकार ने पद्म श्री से नवाजा साथ ही मध्य प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय देवी अहिल्या बाई सम्मान 2016- 17 और उत्तराखंड सरकार ने तीलू रौतेली सम्मान से सम्मानित किया.

किताबों और सीडी से समझा जागर

बसंती देवी ने ना सिर्फ जागर उच्चारण की कमियां सुधारा बल्कि इसके साथ साथ 'मां नंदा देवी' के जागर को किताब की शक्ल में पिरोया और उसे अपनी आवाज दी. उन्होने इस किताब को नाम दिया 'नंदा के जागर सुफल हे जाया तुमारी जातरा'. इस किताब के साथ उन्होने नंदा देवी की स्तुति को अपनी आवाज में गाकर एक सीडी भी तैयार की. जो किताब के साथ ही मिलती है. बसंती बिष्ट से पहले उत्तराखंड में जागर को हमेशा पुरुष प्रधान ही समझा जाता था. इसमें मुख्य गायक पुरुष ही होता था लेकिन बिष्ट ने जागर को एक नई पहचान दी और उत्तराखंड की एकमात्र जागर गायिका बनी.

गढ़वाली परिधान में जागर गाती है बसंती

बसंती जागर गायन के साथ साथ मांगल गीत, पांडवानी, अन्योली और दूसरे पारंपरिक गीत भी गाती हैं. पिछले 20 सालों से बसंती बिष्ट 'मां नंदा देवी' के जागर को पारम्परिक पोशाक में ही गाती रही हैं. इसके लिए वह स्तुति के समय गाये जाने वाले 'पाखुला' को पहनती हैं. 'पाखुला' एक काला कंबल होता है जिसे पहनने में लोगों को झिझक महसूस होती थी, लेकिन वो इसे बड़े सम्मान के साथ पहनती हैं.

विरासत में मिला लोक संगीत

बसंती बिष्ट बताती हैं कि मुझे मेरी मां बिरमा देवी से लोक संगीत विरासत में मिला है, बताती हैं कि उन्होंने नंदा के जागरों को मां से सुनकर ही आत्मसात किया और लोगों तक पहुंचाया. साथ ही उन्हें पति और परिवार का भी सहयोग मिला जिस कारण उन्हें एक अच्छा मुकाम मिला. कहती हैं कि युवा पीढ़ी अपनी लोक संस्कृति और मूल्यों से विमुख होती जा रही है. आने वाली पीढ़ी को चाहिए कि वे अपनी लोक संस्कृति को संजोने में अमूल्य योगदान दें.

योगी राज में नारियों के सशक्त होने से समृद्ध हो रहा है उत्तर प्रदेश

आज नया उत्तर प्रदेश सफलता की नई कहानी कह रहा है। सरकार ने समर्थ उत्तर प्रदेश के महिला श्रम शक्ति को सशक्त बना दिया है। इनकी समृद्धि के लिए सरकार संकल्पित है। महिलाओं के उत्थान के लिए सरकार ने नवरात्रि के पावन अवसर पर मिशन शक्ति की चतुर्थ चरण का प्रारंभ किया है।

ऋचा सिंह

वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार मिशन शक्ति फेज 4 का प्रारंभ शक्ति वंदन कार्यक्रम के साथ कर रही है। महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान व नारी स्वावलंबन के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने एवं जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित कर महिलाओं, बालिकाओं से वार्ता कर उनके अंदर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है। बालिकाओं, छात्राओं, महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें सजग, सतर्क एवं निर्भीकता के साथ आत्मनिर्भर बनने एवं सम्मान के साथ अपने क्षेत्र में कार्य करने हेतु प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार का मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला स्वावलंबन के लिए उठाया गया कदम महिलाओं में ऊर्जा और उत्साह का संचार कर रहा है। पिछले 6 वर्षों में प्रदेश की महिलाओं की आत्मनिर्भरता एवं श्रम शक्ति में दोगुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है। शहरी महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं में भी उत्साह बढ़ रहा है। ग्रामीण महिलाओ में समूह के द्वारा कार्य करने की भावना पहले की अपेक्षा बढ़ी है।

लगभग 10 लाख स्वयं सहायता समूह बनाकर उससे एक करोड़ महिलाओं का जुड़ना एक बड़ी उपलब्धि की ओर इशारा करती है जो महिलाओं के सम्मान पूर्वक जीने एवं उनके स्वावलंबी बनने का उदाहरण है। यह इस बात को भी दर्शाता है कि आगे चलकर प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में महिलाओं की सशक्त भागीदारी होगी। महिलाएं अपने घर एवं परिवार के सभी सदस्यों के पोषण की स्वीकृति के भाव के साथ होती हैं, ऐसी भूमिका में उन्हें परिवार एवं समाज की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। यदि समाज व परिवार का यह हिस्सा सम्मान के साथ आत्मनिर्भर हो तो निश्चित रूप से समाज ही समृद्धि की ओर कदम बढ़ाकर स्वावलंबन की ओर बढ़ता है। राज्य सरकार के दिशा निर्देश में मिशन शक्ति फेज 1 के प्रारंभ के साथ ही महिलाओं बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता हेतु कई कदम उठाए गए थे जिसका यह स्वर्णिम प्रतिफल है कि महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं एवं बालिकाएं शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति कर रही हैं। राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार 2017-18 में श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी 14.9% थी जो अब 36.5 प्रतिशत हो गई है।

राज्य सरकार की योजना का ही परिणाम है कि महिलाएं आज प्रदेश में नए कीर्तिमान गढ़ रही हैं। ऐसा दिखाया गया है कि बहुत सारी योजनाएं लागू की जाती हैं लेकिन वह जिनके लिए उपयोगी हैं उस स्तर तक उस व्यक्ति तक वह योजनाएं पहुंच ही नहीं पाती थीं जिनसे उन योजनाओं का लाभ से लाभार्थी व्यक्ति वंचित रह जाता था। मिशन शक्ति के अंतर्गत इन योजनाओं को ग्रामीण अंचल से लेकर के शहरी क्षेत्र में एक समान रूप से लोगों तक जन-जन तक पहुंचाया गया है। वर्तमान में मिशन शक्ति फेस 4 जो नवरात्र के प्रथम दिवस पर प्रारंभ किया गया है इसमें विद्यालय से भी रैली निकाली गई, हर संस्थाओं और विभाग से इसे जोड़ा गया। सुरक्षा, स्वावलंबन के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत किया गया है और यह एक अभियान बनाकर विद्यालय से लेकर के जिला स्तर तक के बड़े कार्यालय से जोड़ा गया है जिससे मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को सशक्त करने हेतु किए गए प्रयास हर महिला तक, हर बालिका तक पहुंच सकें और ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इससे लाभान्वित हो सकें।

मिशन शक्ति अभियान कार्यक्रम से महिलाओं और बेटियों को स्वयं के अधिकारों को जानने के साथ उनमें एक चेतना जागृत हुई है। कन्या सुमंगला प्रोग्राम, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ प्रोग्राम, मिशन शक्ति प्रोग्राम के अंतर्गत बालिकाओं और महिलाओं को एक अवसर प्रदान किया गया जिससे वह सम्मानित और सशक्त महसूस कर सकें। ग्राम पंचायत में बीसी सखी और पीएम सम्मान निधि योजना के तहत 2 लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जाना ऐसे ही अवसर थे जो महिलाओं को प्रदान किए गए। वर्तमान समय में प्रदेश की महिलाओं ने श्रम शक्ति में मिले अवसरों का उपयोग कर अपने लिए स्वर्णिम भविष्य गढ़ दिया है।

आज कला, विज्ञान, अंतरिक्ष, व्यापार, शिक्षा हर क्षेत्र में बालिकाएं आगे निकल रही हैं ऐसे में

किसी अवांछनीय तत्व से बिना डरे मिशन शक्ति अभियान के द्वारा बच्चियां, महिलाएं निडर होकर घर से बाहर निकल रही हैं। मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रदेश भर में चल रही महिला संबंधी योजनाएं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बीसी सखी, प्रधानमंत्री वंदन योजना आदि का व्यापक प्रचार प्रचार भी किया जा रहा है। जिससे महिलाएं इन योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ उठा सकें। इन योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु कैंप लगाकर भी अभियान चलाए जा रहे हैं। महिलाओं और बालिकाओं को शासन सुरक्षा संबंधी सेवाएं जैसे विभिन्न पावर लाइन, महिला हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पुलिस आपातकालीन सेवा, चाइल्ड हेल्पलाइन, चिकित्सा संबंधी स्वास्थ्य सेवा, एंबुलेंस सेवा संबंधी जानकारी को जगह जगह पेंट करा कर लिखवाया जा रहा है जिससे जानकारी सभी लोगों तक पहुंच सके। सुरक्षा हेतु विभाग द्वारा गठित महिला सुरक्षा बल गांव में जन चौपाल लगाकर, बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल कॉलेज, सार्वजनिक एवं भीड़भाड़ वाले स्थान पर बालिकाओं महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा संबंधी उपायों के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। शक्ति दीदी के रूप में महिलाओं से जुड़कर उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मिशन शक्ति का उद्देश्य प्रत्येक नारी और बच्चियों को सुरक्षा तथा सम्मान का अधिकार दिलाना है, उन्हें सरकार की योजनाओं से अवगत कराते हुए जागरूक करना, मानसिक रूप से सबल व सामान बनाते हुए प्रत्येक क्षेत्र में उन्हें अवसर प्रदान करना है। मिशन शक्ति ने पूर्व में तीन चरणों में अपार सफलता हासिल की तथा इसका सफल क्रियान्वयन पूरे प्रदेश में किया गया है, विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नारी वंदन अधिनियम के तहत नारियों को सम्मान व सुरक्षा प्रदान किया गया है। आज महिलाएं सिर्फ चूल्हे चौके तक ही सीमित नहीं हैं, आज ऐसा नहीं है कि वह ग्रामीण अंचल से हैं तो उनको अवर नहीं उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह की सदस्य बनकर समाज के पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर आत्मनिर्भर बनते हुए अपने परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक सहायता प्रदान कर रही हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत फेज 4 में ऐसी छात्राएं जो विद्यालय से दूर हो रही हैं उन्हें चिन्हित करके उनके अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें पावर एंजेल के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है और सघन अभियान चलाकर छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। बाल अधिकारों के साथ-साथ उन्हें जरूरी कानून के बारे में जानकारी दी जारही एवं सजग एवं सतर्क बनने के लिए दृष्टि प्रदान की जा रही है।

आज नए भारत का नया उत्तर प्रदेश सफलता की नई कहानी कह रहा है। सरकार ने समर्थ उत्तर प्रदेश के महिला श्रम शक्ति को सशक्त बना दिया है। इनकी समृद्धि के लिए सरकार संकल्पित है। महिलाओं के उत्थान के लिए सरकार ने नवरात्रि के पावन अवसर पर मिशन शक्ति की चतुर्थ चरण का प्रारंभ किया है। नारी सुरक्षा नारी सम्मान के साथ स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ रही है। शारदीय नवरात्रि से निरंतर अनेक कार्यक्रम अयोजित हो रहे हैं। केंद्र सरकार की महिला संबंधित योजनाओं का प्रदेश सरकार पारदर्शी ढंग से शत प्रतिशत लाभ महिलाओं को मिल रहा है। सरकार के कुशल नेतृत्व एवं मॉनिटरिंग का ही परिणाम है कि महिलाओं के श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि हुई है सरकार के मार्गदर्शन में महिलाओं के उत्थान पर विशेष रूप से कार्य किया गया है जिसकी सीएम ने स्वयं मॉनिटरिंग भी की है। केंद्र सरकार की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत 1.90 करोड़ बेटियों को जागरूक किया गया है। मिशन शक्ति अभियान के तहत 8.99 करोड़ महिलाओं को जागरूक किया गया है। 189789 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए इनमें से 189014 केंद्र संचालित भी हैं। 10 लाख सेल्फ ग्रुप बनाकर एक करोड़ महिलाओं को जोड़ा गया 2 लाख से अधिक महिलाओं को पीएम सम्मान निधि योजना से लाभान्वित किया गया। सभी 57000 से अधिक ग्राम पंचायत में बीसी सखी की नियुक्ति की गई सरकारी नौकरियों में भी डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को यूपी में नौकरी से जोड़ा गया, साथ ही अन्य सभी योजनाओं से महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत गांव में चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। चौपाल में महिलाओं, बालिकाओं को उनके अधिकार बताए जा रहे हैं साथ ही विभिन्न कानून के साथ ही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है मिशन शक्ति फेज 4 में शक्ति दीदी अभियान के तहत चौपाल का आयोजन करके महिलाओं को सम्मानित प्रोत्साहित व सुरक्षित किया जा रहा है सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं वृद्ध पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री निराश्रित महिला पेंशन योजना की जानकारी चौपाल के माध्यम से दी जा रही है इसके साथ ही महिला संबंधी अपराधों के रोकथाम व त्वरित सहायता के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों को डायल करने के लिए उनका प्रचार प्रसार किया जा रहा है और जगह जगह पर इसे लिखवाया जा रहा है। बालिकाएं शिक्षा से वंचित न हो इसके लिए बाल श्रम, बाल विवाह आदि के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है।

लेखिका– बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश में शिक्षिका हैं

भाजपा की जीत का दिल्ली में जश्न: पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं ने मनाई दिवाली, एक-दूसरे को खिलाई मिठाई

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव परिणाम में भाजपा ने बाजी मार ली है। जिसके बाद दिल्ली में भाजपा कार्यालय पर जीत का जश्न शुरू हो गया है। दिल्ली के नॉर्थ एवेन्यू में भाजपा की जीत के बाद भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

परिवहन विशेष। न्यूज

नई दिल्ली। भाजपा की जीत के बाद कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय पहुंचे। जहां भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने इस जीत का जमकर जश्न मनाया। सड़क किनारे पार्टी का झंडा हाथ में लेकर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

दिल्ली के भाजपा मुख्यालय पर जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कट आउट के साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

पार्टी कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय पर जीत का जश्न मना रहे हैं। कार्यालय के गेट पर खड़े होकर कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के कट आउट और पार्टी झंडे के साथ मिठाई भी बांटी।

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों की मतगणना जारी है। अब तक रुझानों के मुताबिक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जबकि तेलंगाना में कांग्रेस आगे चल रही है।

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 161 से ज्यादा सीट पर बढ़त के साथ सत्ता की ओर बढ़ती दिख रही है, जबकि कांग्रेस 66 से ज्यादा सीट पर आगे है। भाजपा राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस से भी काफी आगे है। यहां की जनता पिछले तीन दशक से हर चुनाव में सरकार बदलती रही है। भाजपा 55 से ज्यादा सीट पर आगे है, जबकि कांग्रेस 32 से ज्यादा सीटों पर। इसके साथ ही कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में भी भाजपा 55 सीट पर और कांग्रेस 32 सीट पर आगे है।

दिल्ली में कारोबारी के घर पर गोलीबारी: पुलिस ने मुठभेड़ में पकड़े दो बदमाश, एक निकला नाबालिग

दिल्ली के वेलकम में एक स्क्रैप कारोबारी से रंगदारी और उनके घर पर गोलीबारी करने वाले दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद पकड़ा है। जांच में पता चला कि स्कूटी से आए दो बदमाशों ने कारोबारी अबरार अहमद के घर पर तीन गोली चलाकर भागे हैं।

नई दिल्ली। उत्तरी पूर्वी जिला पुलिस ने वेलकम में एक स्क्रैप कारोबारी से रंगदारी और उनके घर पर गोलीबारी करने वाले दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद पकड़ा है। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। पकड़ा गया एक बदमाश नाबालिग है। घायल बदमाश गैंगस्टर हासिम बाबा का करीबी है।

पकड़े गए बदमाश की पहचान हर्ष विहार निवासी अक्की के रूप में हुई है, वहीं दूसरे बदमाश की उम्र 16 साल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 27 नवंबर की रात एक बज पुलिस को वेलकम के एक स्क्रैप कारोबारी के घर पर गोलीबारी की सूचना मिली थी।

जांच में पता चला कि स्कूटी से आए दो बदमाशों ने कारोबारी अबरार अहमद के घर पर तीन गोली चलाकर भागे हैं। पुलिस को मौके से तीन खोखे मिले। कारोबारी ने बताया कि उनके मोबाइल पर फोन कर बदमाशों ने 50 लाख की रंगदारी मांगी थी और खुद को हासिम बाबा गैंग का बदमाश बताया था।

जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम ने निरीक्षक राहुल अधिकारी के नेतृत्व में जांच शुरू की। दो नवंबर की देर रात 3.20 बजे पुलिस ने तीसरे पुस्ते पर गश्त के दौरान स्कूटी से जा रहे दो युवकों को रोकने का प्रयास किया। दोनों बदमाश स्कूटी छोड़कर भागने लगे। एक बदमाश ने पुलिस टीम गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी।

दोनों बदमाश अंधेरे में भाग गए। कुछ देर की तलाशी के बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। अक्की के पैर में गोली लगी थी, जिसे पुलिस ने तुरंत जग प्रवेश अस्पताल में भर्ती करवाया। बदमाशों के पास से पुलिस को दो पिस्टल मिली है। पूछताछ में बदमाशों ने कारोबारी के घर पर गोलीबारी करने की बात कबूल की है। 50 लाख की रंगदारी मांगने और कारोबारी को डराने के लिए गोलीबारी की थी।

पुलिस ने बताया कि अक्की पर हत्या का प्रयास, वसूली और जुआ अधिनियम सहित कई मामले दर्ज है। वहीं मौजपुर का रहने वाला नाबालिग का यह पहला अपराध है। वह 12 वीं तक पढ़ा है। पुलिस बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

दिल्ली में मणिपुरी परिवार से छेड़छाड़, युवक को पीटकर किया अधमरा, घटना की छानबीन शुरू

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सनलाइट कालोनी स्थित किलोकरी गांव में मणिपुरी परिवार के साथ मारपीट और बदसलूकी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने न सिर्फ 30 वर्षीय युवक को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया, बल्कि उसकी पत्नी और बहन पर अश्लील टिप्पणी करते हुए छेड़छाड़ की। इसके बाद फरार हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो पीड़ित को अस्पताल ले जाया जा चुका था। बाद में पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मारपीट, बलवा करने और छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज किया। हमलावर भी मणिपुर के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं। मणिपुर निवासी 30 वर्षीय युवक ने बताया कि वह परिवार के साथ सनलाइट कालोनी इलाके में रहता है। बृहस्पतिवार को उसके घर पर एक दोस्त आया हुआ था। रात करीब 11.30 बजे वह अपनी पत्नी व बहन के साथ दोस्त को छोड़ने जा रहा था। इस बीच रास्ते में उनको मणिपुर के ही रहने वाले तीन लोग मिले, इनमें एक महिला भी शामिल थी। तीनों में से एक युवक ने पीड़ित से कहा कि उसका मोबाइल फोन बैटरी डाउन होने की वजह से बंद हो गया है। यदि हो सके तो वह अपने मोबाइल से उनके लिए मुनिरका के लिए एक कैब बुक कर दे। पीड़ित ने कैब बुक कर दी। बाद में कैब बुक करने का अनुरोध करने वाला युवक चला गया। मौके पर महिला व युवक मौजूद थे। आरोप है कि महिला के साथ मौजूद युवक ने अचानक पीड़ित के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी पत्नी व बहन के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के अलावा उनके साथ शारीरिक छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर पीड़ित को पीटना शुरू कर दिया। मारपीट के दौरान आरोपी ने कॉल कर अपने बाकी साथियों को बुला लिया। इन लोगों ने पीड़ित को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। शोर-शराबा हुआ तो स्थानीय लोग बीच-बचाव कराने आ गए। किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि आरोपी जमीन पर गिराकर पीड़ित को मार रहे हैं। बृहस्पतिवार रात करीब 2.30 बजे मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर पीड़ित को ट्रामा सेंटर ले जाया जा चुका था।

दिल्ली ग्रामोदय अभियान : 800 करोड़ से मॉडल बनेंगे शहरीकृत गांव, उपराज्यपाल ने जौंती गांव से शुरू की मुहिम

इसके लिए दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की वित्त पोषित दिल्ली ग्रामोदय अभियान को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जौंती गांव में लॉन्च किया।

नई दिल्ली। दिल्ली के शहरीकृत गांव मॉडल बनेंगे। इन गांवों में 800 करोड़ से बुनियादी ढांचे का सुधार किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की वित्त पोषित दिल्ली ग्रामोदय अभियान को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जौंती गांव में लॉन्च किया।

इस अभियान में दिल्ली के सभी शहरीकृत गांव को अपग्रेड किया जाएगा। यहां पर रहने वाले लोगों को मुख्य शहर की तरह बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी। बता दें कि दिल्ली में करीब 175 शहरीकृत गांव हैं। इस अभियान के बारे में अधिकारियों ने बताया कि यह केंद्र सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय का प्रोजेक्ट है। इसके तहत डीडीए 800 करोड़ रुपये से अधिक के फंड से सभी गांव का विकास करेगा।

गांव में बुनियादी ढांचे, आजीविका, वैज्ञानिक पशुधन प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल, उचित भूमि उपयोग, जल प्रबंधन सहित अन्य के लिए काम किया जाएगा। इससे इन गांव में रहने वाले लोगों के आजीविका में गुणात्मक सुधार होगा। अभी तक यह गांव उपेक्षित थे। इस अभियान के तहत जौंती गांव के सात एकड़ भूखंड पर दिल्ली का पहला चरागाह बनेगा। शनिवार को इस चरागाह बनाने की शुरूआत एलजी ने की। इस चरागाह की मदद से जौंती और आसपास के गांवों के करीब चार हजार पशुओं को चारा मिलेगा।

साथ ही आसपास के इलाकों से अतिक्रमण हटेगा व हरियाली बढ़ेगी। इस चारागाह से सटे एक जल निकाय को भी विकसित किया जा रहा है। अगले एक सप्ताह में इसे पूरी तरह से साफ किया जाएगा। साथ ही इसे खोदकर इसकी गहराई बढ़ाई जाएगी। इसे पुनर्जीवित किया जाएगा। इसकी मदद से वर्षा जल संचयन कर भूजल स्तर को सुधारा जाएगा। शनिवार को एलजी ने चारागाह भूमि पर मोरिंगा के पौधे तथा नेपियर घास भी लगाया।

लावारिस पशुओं की समस्या होगी दूर

एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि दिल्ली में पहली बार कोई चरागाह बनाकर प्रयोग किया जा रहा है। इसकी मदद से सड़कों पर घूमने वाले लावारिस मवेशियों की समस्या दूर होगी। साथ ही इन पशुओं को पर्याप्त भरण-पोषण मिलेगा। इन्हें कूड़े का ढेर खाने की जरूरत नहीं होगी। साथ ही इनके कुपोषण व दुर्घटनाओं को दूर कर मवेशियों की जिंदगी में सुधार लाया जाएगा। एलजी ने कहा कि यह मैदान मवेशियों को स्वस्थ भोजन प्रदान करेगा। जो बदले में स्वस्थ डेयरी उत्पाद भी प्रदान करेगा। साथ ही सड़कों पर आवारा मवेशियों की मौजूदगी के कारण होने वाले दुर्घटनाओं को भी रोका जा सकेगा।

तालाब तक बनाया जाएगा रास्ता

एलजी ने निर्देश दिया कि चरागाह पर जमीन को ठीक से समतल किया जाए ताकि जानवरों आसानी से तालाब तक पहुंच पाए। इस दौरान उपराज्यपाल ने ट्रैक्टर पर बैठकर जमीन की जुताई भी की। साथ ही जेसीबी पर बैठकर पेड़ों की छंटाई और कचरे को साफ करने में श्रमिकों की मदद की।

कई सालों से फंड का नहीं हो पाता था इस्तेमाल

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि 800 करोड़ रुपये के फंड का पिछले कई सालों में कभी इस्तेमाल नहीं हुआ। अब उसका इस्तेमाल इन गांवों के विकास के लिए किया जाएगा। मौजूदा नियमों और नीतिगत निर्णयों से ग्राम सभा भूमि के हस्तांतरण के बाद धनराशि डीडीए को हस्तांतरित कर दी गई है। बता दें कि जौंती गोद लिए गए चार गांवों में से एक हैं। इन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए समान प्रयास किया जा रहा है। कुतुबगढ़ गांव में एक स्टेडियम बनाया जा रहा है जो जल्द ही पूरा होने वाला है। एलजी ने उत्तर-पश्चिम दिल्ली में पांच गांवों को मॉडल के रूप में विकसित करने का काम करवाया है।

पशु-पक्षियों की सेहत भी खराब कर रहा है प्रदूषण, ऊंची उड़ान मुश्किल और प्रजनन क्षमता प्रभावित

सांस की बीमारी (क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज) ने भी घेरा है। इससे इस वक्त भोजन की तलाश में ऊंचाई तक उड़ान भरना भी संभव नहीं है। नतीजतन इनको पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है।

दिल्ली-एनसीआर की प्रदूषित हवाओं से पशु-पक्षियों की प्रजनन क्षमता प्रभावित हुई है। वहीं, सांस की बीमारी (क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज) ने भी घेरा है। इससे इस वक्त भोजन की तलाश में ऊंचाई तक उड़ान भरना भी संभव नहीं है। नतीजतन इनको पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है।

उधर, अस्पतालों में प्रदूषण से बीमार होने वाले पशु-पक्षियों की संख्या में इजाफा हुआ है। हर दिन 8 से 10 घायल पक्षियों को अस्पताल लाया जा रहा है। यही स्थिति वन्य जीवों की भी है। इसमें बंदरों की संख्या अधिक है। पशु-पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार वायु प्रदूषण इनके व्यस्क होने के स्तर पर प्रभाव डाल रहा है। ऐसे में प्रदूषण का प्रकोप इंसानों को ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों को भी प्रभावित कर रहा है।

पुरानी दिल्ली में दिगंबर जैन लाल मंदिर में स्थित पक्षियों के धर्मार्थ चिकित्सालय में सबसे अधिक पक्षी लाए जा रहे हैं। अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर हरअवतार सिंह कहते हैं कि प्रदूषण का असर पशु-पक्षियों में अचानक और लंबे समय बाद दोनों देखने को मिलता है। इसमें कबूतर और कौवा की संख्या अधिक है।

वह कहते हैं कि उनके पास इस मौसम में अब तक 12 से 15 पक्षी ऐसे लाए गए हैं, जिनके फेफड़ों में प्रदूषण का गहरा असर है। उन्होंने बताया कि स्मॉग की वजह से पक्षियों में फोटो पीरियड (वह समय जब पक्षी अपना दिन के उजाले में भोजन जुटाते हैं) कम होने से सेहत पर सबसे खतरनाक असर पड़ रहा है।

प्रजनन क्षमता और विकास दर पर असर

प्रदूषण से पक्षियों की प्रजनन क्षमता और विकास दर पर भी असर पड़ रहा है। पक्षी विशेषज्ञ और भारतीय पशु अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. रिशेंद्र वर्मा कहते हैं कि जैसे इंसानों को प्रदूषण की वजह से सांस लेने में परेशानी होती है, उससे कहीं ज्यादा पक्षियों को सांस लेने में दिक्कत होती है। इसकी वजह पक्षियों की श्वसन प्रक्रिया इंसानों की अपेक्षा कई गुना ज्यादा होती है। प्रदूषण के कण उनके अंदर पहुंचते हैं, जो भविष्य में उनकी मौत का कारण बनते हैं। यही नहीं इससे इनकी प्रजनन और विकास दर पर भी असर पड़ता है।

प्रवास व भोजन हो रहा प्रभावित

जहां एक ओर पक्षियों की सेहत पर असर पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर बढ़ते प्रदूषण से सर्दियों में आने वाले साइबेरियन प्रवासी पक्षियों की संख्या में कम हो रही है। दिल्ली में हजारों मीलों का सफर तय कर प्रवासी पक्षी आते हैं। डीडीए बायोडायवर्सिटी पार्क के वैज्ञानिक प्रभारी डॉ. फैयाज खुदसर ने बताया कि पशुओं पर प्रदूषण के असर पर अभी कोई ठोस शोध नहीं हुआ है।

लेकिन, प्रवासी पक्षियों पर इसका असर देखने को मिल सकता है। वह कहते हैं कि प्रदूषण व धुंध से पक्षी अपने पर्यावास का गलत चुनाव कर सकते हैं। इन्हें एक जगह पर रहने के लिए लंबा समय बिताना पड़ता है, अगर उस जगह पानी की कमी होगी तो यह आने वाले वर्षों में उस क्षेत्र व इलाके में नहीं आएंगे। वह कहते हैं कि उन्होंने महसूस किया है कि प्रदूषण के बढ़ने से स्थालीय जीवों के भोजन की समस्या उत्पन्न होती है।

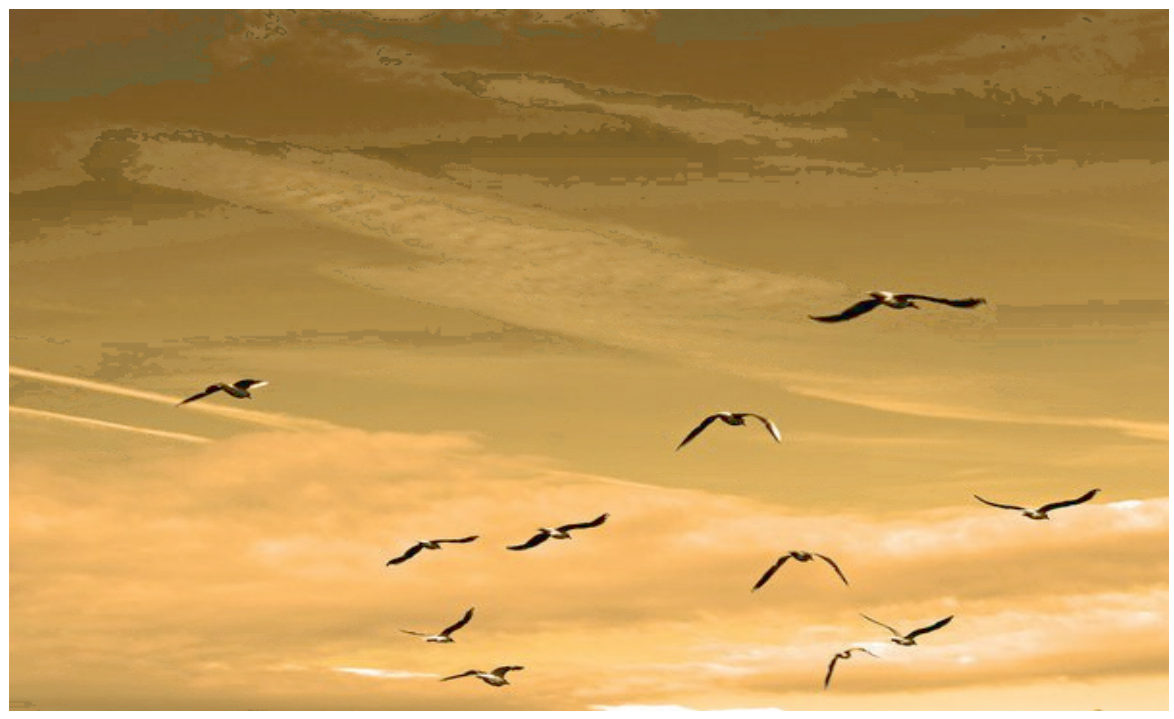

सरकारी अस्पताल में 3 घंटे तड़पता रहा घायल, नहीं मिला उपचार, निजी एंबुलेंस से ले जाना पड़ा प्राइवेट

परिवहन विशेष न्यूज

संयुक्त में चिकित्सक ने देखते ही रेफर कर दिया। एमएमजी नें तीन घंटे तक वह इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर पर लेटे तड़पते रहे, लेकिन कोई चिकित्सक देखने तक नहीं आया। हालत बिगड़ती देख परिजन निजी अस्पताल ले गए।

गोविंदपुरम। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए दिल्ली निवासी किरण (42) को न जिला संयुक्त अस्पताल में उपचार मिला और न ही जिला एमएमजी अस्पताल में। संयुक्त में चिकित्सक ने देखते ही रेफर कर दिया। एमएमजी नें तीन घंटे तक वह इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर पर लेटे तड़पते रहे, लेकिन कोई चिकित्सक देखने तक नहीं आया। हालत बिगड़ती देख परिजन निजी अस्पताल ले गए।

उन्हें सुबह साढ़े दस बजे संयुक्त अस्पताल लाया गया था। यहां कहने के लिए ट्रॉमा सेंटर है लेकिन गंभीर हालत में आए मरीजों को देखते ही रेफर कर दिया जाता है। किरण को भी चिकित्सक ने देखा और तुरंत तीमारदारों को पर्ची थमाकर कह दिया कि एमएमजी ले जाओ।

उनके भाई रवि ने बताया कि वह एमएमजी पहुंचे तो केस इमरजेंसी का बताया गया। पर्चा बनवाकर वे इमरजेंसी पहुंच गए। वहां चिकित्सक ने कह दिया कि पहले एक्सरे होगा, उसकी रिपोर्ट देखने के बाद उपचार किया जाएगा। वे एक्सरे विभाग में गए तो कहा गया कि नई पर्ची बनवाओ। इस पर नंबर मिलेगा। नंबर आने पर ही एक्सरे होगा। उन्होंने पर्ची बनवा ली, लेकिन तीन घंटे बीत जाने पर भी नंबर नहीं आया। इसके बाद और इंतजार करते तो भाई की हालत और बिगड़ जाती। मजबूरी में वे निजी अस्पताल ले गए। वह गोविंदपुरम में पुलिस चौकी के पास ड्यूटी पर पिलखुवा जाते समय कैंटर की टक्कर लग जाने से घायल हुए थे।

निजी एंबुलेंस से ले जाना पड़ा

रवि कुमार ने बताया कि जब एमएमजी में तीन घंटे उपचार नहीं मिला तो उन्होंने स्टाफ से कहा एंबुलेंस की व्यवस्था करने के लिए कहा ताकि भाई को निजी अस्पताल ले जाया जा सके। वहां सरकारी एंबुलेंस भी नहीं मिली। ऐसे में निजी एंबुलेंस से ही ले जाना पड़ा। निजी अस्पताल में तुरंत उपचार मिला। एक्सरे भी दस मिनट में हो गया। चिकित्सक ने बताया कि किरण के पैर की हड्डी टूटी है। इसी से उन्हें असहनीय पीड़ा हो रही थी।

आखिर गलती किसकी

गंभीर रूप से घायल मरीज तीन घंटे तक तड़पता रहा और उसे उपचार नहीं मिला। इस पर भी जिला एमएमजी और संयुक्त अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी किसी की गलती मानने के लिए तैयार नहीं हैं। मरीज को उपचार न मिल पाने की दोनों ने अलग-अलग वजह बताई हैं।

सड़क हादसे का केस था। मेडिको लीगल कार्रवाई के लिए अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट नहीं हैं, इसलिए मरीज को एमएमजी अस्पताल रेफर करना पड़ा।

- डॉ. विनोद कुमार पांडे, सीएमएस, संयुक्त अस्पताल

पुलिस केस में कार्रवाई में समय लगता है। परिजन इंतजार नहीं करना चाह रहे थे इसलिए वह अपनी मर्जी से निजी अस्पताल में मरीज को लेकर गए।

- डॉ. मनोज चतुर्वेदी, सीएमएस, एमएमजी अस्पताल

दिल्ली NCR बाइक चोरी कर नेपाल बार्डर पर बेचने वाले दो गिरफ्तार,कोर्ट में पेश करने के बाद भेजे गए जेल

बीटा दो कोतवाली पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर से बाइक चोरी कर नेपाल बार्डर पर बेचने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से चोरी की 16 बाइक बरामद की गई है। आरोपित चोरी की बाइक को नट मड्डैया स्थित इंडेन की गैस एजेंसी गोदाम में खड़ी कर देते थे जिससे कि पुलिस को शक न हो। फिर आरोपितों को जेल भेज दिया गया है।

ग्रेटर नोएडा। बीटा दो कोतवाली पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर से बाइक चोरी कर नेपाल बार्डर पर बेचने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से चोरी की 16 बाइक बरामद की गई है। आरोपित चोरी की बाइक को नट मड्डैया स्थित इंडेन की गैस एजेंसी गोदाम में खड़ी कर देते थे जिससे कि पुलिस को शक न हो। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपितों को जेल भेज दिया गया है।

एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि बीटा दो कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र कुमार व एच्छर चौकी प्रभारी राहुल प्रताप को बाइक चोरों के संबंध में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की और दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। पवन व शिवा के रूप में हुई है। दोनों बुलंदशहर के जहांगीराबाद के रहने वाले है। आरोपित बाइक पर फर्जी नंबर अंकित कर देते थे।

डिमांड आते ही करते थे चोरी

आरोपित नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली, बुलंदशहर व अलीगढ़ में बाइक चोरी करते थे। जैसे ही नेपाल बार्डर से डिमांड आती थी आरोपित तुरंत बाइक चोरी कर उसको अपने साथी को दे देते थे। गिरोह में शामिल कई अन्य आरोपित अभी फरार चल रहे है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। आरोपित पर पहले से आठ आपराधिक केस दर्ज है।

15 हजार में बिकती थी चोरी की स्पलेंडर

एसीपी राम कृष्ण तिवारी ने बताया कि आरोपित सिर्फ स्पलेंडर बाइक ही चुराते थे। वर्तमान में स्पलेंडर एक लाख रुपये की आती है। ऐसे में आरोपित 15 हजार रुपये में चोरी की बाइक बेचते थे। इसके लिए फर्जी कागज तैयार किए जाते थे।

क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर युवक से ठगे 6.50 लाख

क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर पैसे कमाने का लालच देकर ठग ने युवक से 6.50 लाख रुपये ठग लिए। इसके बाद उसने निवेश के लिए दोबारा बोला तो युवक को कुछ शक हुआ। उन्होंने अपने पैसे मांगे तो ठग ने फोन ही बंद कर लिया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना ईस्ट ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरुग्राम। क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर पैसे कमाने का लालच देकर ठग ने युवक से 6.50 लाख रुपये ठग लिए। इसके बाद उसने निवेश के लिए दोबारा बोला तो युवक को कुछ शक हुआ। उन्होंने अपने पैसे मांगे तो ठग ने फोन ही बंद कर लिया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना ईस्ट ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-52 निवासी अक्षय जोधकपा ने पुलिस को बताया कि एक युवक ने व्हाट्सएप पर उनसे संपर्क किया। उसने फोन पर क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर पैसे कमाने के बारे में बताया। इसके बाद उसने उनके नंबर पर टेलीग्राम में एक ग्रुप का लिंक भेज दिया।

इसके बाद उन्होंने उसके बताए खाते में करबी 6.50 लाख रुपये डाल दिए। इसके बाद ठग ने दोबारा पैसे मांगे तो उन्होंने अपने पैसे मांगे। इसके बाद ठग ने अपना फोन ही बंद कर दिया।

हवा 'जहरीली' होने के ये हैं मुख्य कारण

गाजियाबाद में कुत्तों का आतंक! 24 घंटे में 41 बच्चों समेत 221 लोगों को काटा, खौफ में लोग

परिवहन विशेष न्यूज

आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। पिछले 24 घंटों में 41 बच्चों समेत 221 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। इसके अलावा 10 लोगों ने बंदर तीन ने चूहा और पांच लोगों ने बिल्ली के काटने पर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। जिला एमएमजी अस्पताल में सबसे अधिक 92 लोगों ने कुत्तों के काटने पर एआरवी लगवाई है। 279 लोगों ने वैक्सीन की दूसरी व तीसरी डोज लगवाई है।

गाजियाबाद। आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। पिछले 24 घंटों में 41 बच्चों समेत 221 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। इसके अलावा 10 लोगों ने बंदर, तीन ने चूहा और पांच लोगों ने बिल्ली के काटने पर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। जिला एमएमजी अस्पताल में सबसे अधिक 92 लोगों ने कुत्तों के काटने पर एआरवी लगवाई है। 279 लोगों ने वैक्सीन की दूसरी व तीसरी डोज लगवाई है।

शनिवार को संयुक्त अस्पताल में एआरवी लगवाने वाले कुछ लोगों के नाम

नाम	उम्र	क्षेत्र
शंकर	78	संजय नगर
हेमंत शर्मा	50	शास्त्रीनगर
माधवी	27	अवंतिका
देवेंद्र	38	महेंद्र एन्क्लेव
प्यारेलाल	33	आकाशनगर
शबाना	32	रजापुर
तनिष्क	7	शास्त्रीनगर
हर्षिता	6	डासना
सोनाली	7	संजयनगर
चाल्सी	2	रईसपुर
मानवी	12	बम्हेटा

गाजियाबाद में कहां कितने लोगों ने लगवाई ARV

अस्पताल	नए केस	पुराने केस
जिला एमएमजी अस्पताल		92
88		
संयुक्त अस्पताल	31	60
सीएचसी डासना	14	20
सीएचसी मुरादनगर	22	25
सीएचसी मोदीनगर	16	21
सीएचसी लोनी	19	23
सीएचसी भोजपुर	12	16
संयुक्त अस्पताल लोनी		15
26		

कॉप28 सम्मिट के जरिये पीएम मोदी ने दुनिया को दिये कई बड़े संदेश, भारत को वैश्विक सम्मेलनों का नया केंद्र

नीरज कुमार दुबे

मोदी का दुबई दौरा बहुत छोटा और बेहद व्यस्त दौरा था। लेकिन प्रधानमंत्री के स्वागत में जिस तरह स्थानीय सरकार और प्रशासन ने पलक पांवड़े बिछाये और भारतीय समुदाय ने मोदी मोदी के नारों तथा फिर एक बार मोदी सरकार जैसे नारों से आकाश को गुंजायमान किया वह दृश्य देखने लायक थे।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी28) में भाग लेने वैसे तो दुनिया के कई राष्ट्राध्यक्ष आये लेकिन जैसा स्वागत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हुआ वैसा किसी अन्य का नहीं हुआ। दरअसल अक्सर ऐसे वैश्विक सम्मेलनों में देखने को मिलता है कि आयोजक देश प्रतिभागी राष्ट्रों के नेताओं का प्रोटोकॉल के मुताबिक स्वागत करता है। लेकिन जब जिक्र मोदी का आता है तो प्रोटोकॉल भी टूटते हैं और अलग मंजर भी नजर आता है। मोदी के आगमन पर विभिन्न राष्ट्राध्यक्ष उनकी अगवानी करने हवाई अड्डे पर पहुँच जाते हैं तो कभी कोई राष्ट्राध्यक्ष मोदी के आगमन पर उनके पैर छू लेता है तो कोई उन्हें देखते ही गले लगा लेता है। लेकिन इस सबसे बढ़कर एक दृश्य और देखने को मिलता है वह यह कि मोदी जब भी किसी देश में जाते हैं तो वहां पर रह रहा भारतीय समुदाय उनका जोरदार स्वागत करता है। ऐसा दृश्य किसी और नेता के मामले में देखने को नहीं मिलता इसलिए मोदी हर समारोह में छा जाते हैं और सुर्खियों में आ जाते हैं।

अब मोदी की दुबई यात्रा को ही लीजिये। यह बहुत छोटा और बेहद व्यस्त दौरा था। लेकिन प्रधानमंत्री के स्वागत में जिस तरह स्थानीय सरकार और प्रशासन ने पलक पांवड़े बिछाये और भारतीय समुदाय ने मोदी मोदी के नारों तथा फिर एक बार मोदी सरकार जैसे नारों से आकाश को गुंजायमान किया वह दृश्य देखने लायक थे। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी 28) की शुरुआत से पहले जब उपस्थित नेताओं का सामूहिक चित्र लिया जा रहा था उस दौरान भी वैश्विक नेताओं के बीच मोदी से मिलने और दो मिनट में अपनी बात उन तक पहुँचा देने की होड़ लगी रही। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कार्यक्रम स्थल पर मोदी का जिस गर्मजोशी से स्वागत किया वह देखने लायक थी। इस सम्मेलन की खास बात यह रही कि प्रधानमंत्री ने 2028 में भारत में COP33 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने का प्रस्ताव रख कर दुनिया को संदेश दिया है कि भारत वैश्विक सम्मेलनों का नया केंद्र बनने की राह पर है। हम आपको याद दिला दें कि इस साल सितंबर महीने में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी भारत ने अपनी शानदार मेजबानी से पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया था।

सीओपी28 में मोदी के संबोधन पर गौर करें तो उन्होंने बड़ी ही प्रखरता के साथ दुनिया को बताया कि भारत ने पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के बीच बेहतरीन संतुलन बनाकर दुनिया के सामने विकास का एक मॉडल पेश किया है। दुबई में सीओपी28 सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह बड़ा ऐलान भी किया कि भारत अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान लक्ष्यों को प्राप्त करने की राह पर है। प्रधानमंत्री ने दुनिया को यह भी बताया कि भारत ने निर्धारित समय सीमा से 11 साल पहले ही अपने उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि अपने सभ्यतागत लोकाचार को ध्यान में रखते हुए भारत ने हमेशा जलवायु कार्रवाई पर जोर दिया है, यहां तक कि हम सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। देखा जाये तो भारत की जी20 की अध्यक्षता के दौरान जलवायु हमारी प्राथमिकता में सबसे ऊपर थी। नयी दिल्ली घोषणापत्र में जलवायु कार्रवाई और सतत विकास पर कई ठोस कदम शामिल हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकासशील देशों को अपेक्षित जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी संबंधी हस्तांतरण सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा है कि इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि विकासशील देशों ने जलवायु समस्या पैदा करने में कोई योगदान नहीं दिया है लेकिन फिर भी वे इसके समाधान का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। देखा जाये तो जलवायु परिवर्तन एक सामूहिक चुनौती है जिससे निपटने के लिए एकीकृत वैश्विक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। हम आपको बता दें कि भारत समेत विकासशील देशों ने यह भी दावा किया है कि बदलावों से निपटने में मदद करने की जिम्मेदारी अमीर देशों की है, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से ये वही देश हैं जिन्होंने पृथ्वी को गर्म करने वाले कार्बन उत्सर्जन में अधिक योगदान दिया है।

हम आपको यह भी बता दें कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता सीओपी28 एक सकारात्मक संकेत के साथ शुरू हुई, जिसमें विभिन्न देशों ने हानि और क्षति कोष के संचालन पर शुरुआती समझौता किया। भारत ने "सकारात्मक संकेत" के तौर पर इसका स्वागत किया है। हालांकि इस कोष को लेकर हुए समझौते पर 'ग्लोबल साउथ' से मिलीजुली प्रतिक्रिया सामने आई है। दरअसल, ग्लोबल साउथ के देश लंबे समय से बाढ़, सूखे और गर्मी सहित आपदाओं से निपटने के लिये पर्याप्त धन की कमी की ओर इशारा कर रहे हैं और अमीर देशों को इससे उबरने के लिये पर्याप्त धन नहीं देने का दोषी ठहरा रहे हैं। हम आपको बता दें कि ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है। यहां यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि पिछले साल मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित सीओपी27 में अमीर देशों ने हानि और क्षति कोष स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की थी। हालांकि, धन आवंटन, लाभार्थियों और प्रशासन पर फैसले लटकाए रखे गए थे। दरअसल, विकासशील देश कोष रखने के लिए एक नयी और स्वतंत्र इकाई चाहते थे, लेकिन अगले चार वर्षों के लिए अस्थायी रूप से ही सही और अनिच्छा से विश्व बैंक को स्वीकार किया था। इस कोष को चालू करने के निर्णय के तुरंत बाद, संयुक्त अरब अमीरात और जर्मनी ने घोषणा की कि वे इस कोष में 10-10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का योगदान देंगे।

बहरहाल, पूरा विश्व सीओपी28 सम्मेलन की सफलता की कामना कर रहा है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने कहा है कि 2023 सबसे गर्म वर्ष होना निश्चित है और चिंताजनक प्रवृत्तियां भविष्य में बाढ़, जंगल की आग, हिमनद पिघलने और भीषण गर्मी में वृद्धि का संकेत देती हैं। डब्ल्यूएमओ ने यह भी चेतावनी दी है कि वर्ष 2023 का औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक काल से लगभग 1.4 डिग्री सेल्सियस ऊपर है। इसके साथ ही यह भी भविष्यवाणी की गयी है कि साल 2024 सबसे ज्यादा गर्म रह सकता है। इसलिए देखना होगा कि सीओपी28 सम्मेलन जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क सम्मलेन और पेरिस समझौते के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में प्रभावी जलवायु कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई गति दे पाता है या नहीं?

पहले से कितना बदल गई है 2024 KTM 250 Duke ? जानें इससे जुड़ी खास बातें

केटीएम ने नए इंजन की तकनीकी जानकारी का खुलासा नहीं किया है। ऐसा कहा जा रहा है कि बाइक एक उल्टा फ्रंट फोर्क और एक ऑफसेट रियर मोनो-शॉक पर चलती है जबकि ब्रेकिंग को डिस्क ब्रेक द्वारा नियंत्रित किया जाता है। KTM ने भारत में अपनी 250 Duke की थर्ड जेनरेशन लॉन्च कर दी है। आइये डिटेल में जानते हैं।

नई दिल्ली। हाल ही में 2024 KTM 250 Duke को इंडियन मार्केट में लॉन्च किया गया था। जिसके बाद से इस बाइक के इच्छुक खरीददार इसके बारे में जानना चाहते हैं। इसलिए इस खबर के माध्यम से आपको 2024 KTM 250 Duke से जुड़ी खासियतों के बारे में। इसके अलावा आपको ये भी बताएंगे कि ये बाइक पहले से कितनी बदल चुकी है।

पहले से कितना बदल गई है ये बाइक

ये बाइक थर्ड जेनरेशन में अपडेट हो चुकी है। थर्ड जेनरेशन की केटीएम 250 ड्यूक को नई 390 ड्यूक की तरह ही कई अपडेट मिलते हैं। बाइक में अब मानक के रूप में राइड-बाय-वायर और क्विक-शिफ्टर मिलता है। नए LC4c सिंगल-सिलेंडर लिक्विड-कूल्ड इंजन में एक रीडिजाइन किया गया सिलेंडर हेड और एक बड़ा एयरबॉक्स है। बाइक नए 2-पीस फ्रेम पर बेस्ड है। इसमें आपको नया व्हील और ब्रेक मिल जाएगा। ये बाइक वजन के मामले में लाइट वेट रहे इसके लिए कंपनी ने थोड़ा मोडिफिकेशन किया है। नई KTM 250 Duke दो रंगों- इलेक्ट्रॉनिक ऑरेंज और सिरेमिक व्हाइट में उपलब्ध है।

2024 KTM 250 Duke कितनी है कीमत

KTM ने भारत में अपनी 250 Duke की थर्ड जेनरेशन लॉन्च कर दी है। इस नेकेड स्ट्रीट बाइक की कीमत 2,39,000 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) तय की गई है।

कितना दमदार है इसका इंजन ?

केटीएम ने नए इंजन की तकनीकी जानकारी का खुलासा नहीं किया है। ऐसा कहा जा रहा है कि, बाइक एक उल्टा फ्रंट फोर्क और एक ऑफसेट रियर मोनो-शॉक पर चलती है, जबकि ब्रेकिंग को डिस्क ब्रेक द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

इटालियन कंपनी Aprilia की RS457 में क्या कुछ होगा खास, यहां पढ़ें डिटेल्स

स्पोर्ट्स बाइक बनाने वाली इटालियन कंपनी Aprilia ने हाल ही में भारत में अपनी सुपरस्पोर्ट्स बाइक RS457 से पर्दा उठा दिया है। हालांकि विदेश में तो ये पहले से ही लॉन्च हो चुकी है।लेकिन इसे आधिकारिक तौर पर इंडिया बाइक वीक 2023 में इसे लॉन्च किया जा सकता है। लॉन्च के बाद इसका मुकाबला KTM RC 390 और Yamaha YZF-R3 से होगा।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में स्पोर्ट्स बाइक की डिमांड काफी अधिक है। सबसे अधिक इसे युवाओं द्वारा पसंद किया जाता है। स्पोर्ट्स बाइक बनाने वाली इटालियन कंपनी Aprilia ने हाल ही में भारत में अपनी सुपरस्पोर्ट्स बाइक RS457 से पर्दा उठा दिया है। हालांकि विदेश में तो ये पहले से ही लॉन्च हो चुकी है।

इंडिया बाइक वीक 2023

लेकिन आधिकारिक तौर पर इसे इंडिया बाइक वीक 2023 में इसे लॉन्च किया जा सकता है। वाहन निर्माता कंपनी ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है। इस मोटरसाइकिल का डिजाइन काफी शानदार और अट्रैक्टिव है। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से इस बाइक के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।

इसका मुकाबला KTM RC 390 और Yamaha YZF-R3 से होगा

जब ये स्पोर्ट्स बाइक लॉन्च हो जाएगी तब इसका मुकाबला KTM RC 390 और Yamaha YZF-R3 से होगा। आने वाली अप्रिलिया RS 457 में बड़ी रेंज वाली स्टाइलिंग एलिमेंट्स भी मिल सकते हैं। इसमें डबल फ्रंट फायरिंग स्टील 2-इन-2 एग्जास्ट, अंडरबेली साइलेंसर, LED फ्रंट हैड लैंप और नया 5 इंच टीएफटी कलर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी होगा। इस मोटरसाइकिल में कई दमदार एडवांस्ड टेक्नोलॉजी मिलेगी।

न्यू अप्रिलिया RS 457 इंजन

वाहन निर्माता कंपनी न्यू अप्रिलिया RS 457 में 457cc का लिक्विड-कूल्ड पैरेलल ट्विन-सिलेंडर इंजन दे सकती है। या 47bhp की पावर पर बेस्ड है और 6 स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा जा सकता है। वहीं सेटअप में स्लिपर क्लच और एक क्विक शिफ्ट भी दिया गया है। इसमें राइट मोड एबीएस, राइटर बाय वायर, थ्री-लेवल ट्रेक्शन कंट्रोल और डिजिटल टीएफटी और अन्य राइडर भी मिल सकता है।

होंडा की कार खरीदने का शानदार मौका ! बचा सकते हैं लाखों रुपये

अगर आप इन कार को खरीदना चाहते हैं तो आपके पास लंबा समय नहीं है। ये ऑफर सिर्फ 31 दिसंबर तक वैलिड है। लेकिन कलर वेरिएंट और डीलरशिप के हिसाब से डिस्काउंट ऑफर अलग-अलग हो सकता है।वाहन निर्माता कंपनी दूसरी ओर Honda Amaze पर भी शानदार ऑफर दे रही है।होंडा सिटी के पेट्रोल वेरिएंट पर अधिकतम छूट 1 लाख रुपये तक की मिल रही है।

नई दिल्ली। जापान की वाहन निर्माता कंपनी होंडा अपने ग्राहकों को बंपर ऑफर दे रही है। अगर आप इस महीने अपने लिए होंडा की एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो ये आपके लिए एक शानदार मौका है। कंपनी अपनी दो सबसे अधिक बिकने वाली कार होंडा सिटी और Honda Amaze पर बंपर ऑफर दे रही है। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

Honda City

होंडा सिटी के पेट्रोल वेरिएंट पर अधिकतम छूट 1 लाख रुपये तक की मिल रही है। इसमें 27 हजार रुपये तक का कॉर्पोरेट डिस्काउंट शामिल है। इसपर एक्सचेंज बोनस के तौर पर 15 हजार रुपये तक की छूट मिल रही है। इसमें 25 हजार रुपये तक का कैश डिस्काउंट और 15 हजार रुपये तक का एक्सचेंज बोनस मिलता है। वहीं पुराने ग्राहकों को भी कंपनी लाभ दे रही है। पुराने ग्राहकों को 27 हजार रुपये का लॉयल्टी बोनस भी मिल रहा है।इसमें वायरलेस Android Auto और Apple CarPlay, वॉक अवे ऑटो लॉक और 4.2-इंच MID, 8 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एक रियरव्यू कैमरा मिलता है।

Honda Amaze

वाहन निर्माता कंपनी दूसरी ओर Honda Amaze पर भी शानदार ऑफर दे रही है। इसके साथ ही इसपर 25 हजार रुपये तक का कैश डिस्काउंट मिल रहा है। कॉर्पोरेट डिस्काउंट और लॉयल्टी बोनस के तौर पर इस पर 27 हजार रुपये तक का ऑफर मिल रहा है। वहीं एक्सचेंज बोनस इस पर 15 हजार रुपये तक का मिल रहा है।इसमें टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, स्लाइडिंग फ्रंट आर्मरेस्ट, विशेष सीट कवर मिलता है।

31 दिसंबर तक वैलिड

अगर आप इन कार को खरीदना चाहते हैं तो आपके पास लंबा समय नहीं है। ये ऑफर सिर्फ 31 दिसंबर तक वैलिड है। लेकिन कलर , वेरिएंट और डीलरशिप के हिसाब से डिस्काउंट ऑफर अलग-अलग हो सकता है।

मारुति जिमनी ठंडर एडिशन : कितनी खास ? जानें इससे जुड़ी खास बातें

नई दिल्ली। मारुति ने हाल ही में Jimny Thunder Edition को लॉन्च किया था, जिसके बाद ये काफी चर्चा में बनी हुई है। इसलिए हम आपको इस ऑर्टिकल के माध्यम से बताने जा रहे हैं Jimny Thunder Edition से जुड़ी खास बातों के बारे में।

Jimny Thunder Edition अपने नियमित मॉडल से कितनी अलग ?

लोगों के मन में इस गाड़ी से जुड़े कई सवाल मन में आ रहे हैं। उन मन में चल रहे तमाम सवालों का जवाब हम इस खबर के माध्यम से देने का प्रयास कर रहे हैं। Jimny का थंडर एडिशन स्टैंडर्ड रूप से कई एक्सेसरीज के साथ आता है। इसमें फ्रंट स्किड प्लेट, साइड डोर क्लैडिंग, डोर वाइजर, डोर सिल गार्ड, रस्टिक टैन में ग्रिप कवर, फ्लोर मैट और एक्सटीरियर पर ग्राफिक्स मिलते हैं। इसके अलावा jimny के फ्रंट बंपर, ओआरवीएम, साइड फेंडर और हुड पर भी गार्निश है।

Jimny Thunder Edition एडवांस सेफ्टी फीचर्स से है लैस

सेफ्टी फीचर्स की बात करें, तो मारुति जिम्नी 6 एयरबैग, ब्रेक लिमिटेड स्लिप डिफरेंशियल, ईबीडी के साथ एबीएस, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम, हिल होल्ड कंट्रोल, हिल डिसेंट कंट्रोल, रियर व्यू कैमरा, ब्रेक असिस्ट फंक्शन और इंजन इम्मोबिलाइजर से लैस है।

पहले से कितना बदला इसका इंजन ?

इस स्पेशल एडिशन में कंपनी ने कुछ भी बदलाव नहीं किया है। Jimny में पहले की तरह 1.5-लीटर, 4-सिलेंडर, के-सीरीज नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ आती है, जो 6,000 आरपीएम पर 103 बीएचपी की अधिकतम पावर और 4,000 आरपीएम पर 134 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट पैदा करता है। यह 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स या 4-स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है।

Jimny Thunder Edition कीमत

jimny थंडर एडिशन की कीमत 10.74 लाख रुपये से शुरू होकर 14.05 लाख रुपये तक जाती है। ये दोनों कीमतें एक्स-शोरूम हैं।

सेफ्टी फीचर्स की बात किया जाए तो मारुति जिम्नी 6 एयरबैग ब्रेक लिमिटेड स्लिप डिफरेंशियल ईबीडी के साथ एबीएस इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम हिल होल्ड कंट्रोल हिल डिसेंट कंट्रोल रियर व्यू कैमरा ब्रेक असिस्ट फंक्शन और इंजन इम्मोबिलाइजर से लैस है। इस स्पेशल एडिशन में कंपनी ने कुछ भी बदलाव नहीं किया है। आइये डिटेल में जानते हैं।

कॉप-28 महज खानापूर्ति बन कर नहीं रहे जलवायु नियंत्रित करने के लिये सब कमर कसें

ललित गर्ग

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कॉप-28 में भाग लिया और शानदार संबोधन दिया। उन्होंने ग्लासगो में आयोजित हुए अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन (सीओपी 26) में बढ़ते पर्यावरण संकट में पिछड़े देशों की मदद की वकालत की थी ताकि गरीब आबादी सुरक्षित जीवन जी सके।

धरती की पर्यावरण चिंताओं पर विचार और समस्याओं के समाधान के लिए दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में आयोजित हो रहा संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन-कॉप-28 बहुत महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लोबल वॉर्मिंग का असर हमारे जीवन पर साफ-साफ दिखने लगा है। 2021 में हुए पेरिस समझौते में दुनिया का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस पर ही रोकने की बात की गई थी, इस साल 38 से भी अधिक दिन ऐसे रहे हैं जिनमें तापमान औसत से डेढ़ डिग्री ज्यादा रहा था। इस साल तापमान में वृद्धि, महासागर की गर्मी, अंटार्कटिका की बर्फ का घटना आदि ने ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को चिन्ताजनक स्तर तक पहुंचा दिया है। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है, बार-बार बाढ़, सूखा एवं भुस्खलन हो रहा है। इसलिए, विकसित देशों को अपना कार्बन उत्सर्जन कम करने और ग्रीन एनर्जी में निवेश करने की आवश्यकता है। पर्यावरण के बिगड़ते मिजाज एवं जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों ने जीवन को जटिल बना दिया है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सर्तक होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। रोम में सम्पन्न हुए जी-20 सम्मेलन में सभी देश धरती का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस कम करने पर राजी हुए हैं। इसके अलावा उत्सर्जन को नियंत्रण करने के तथ्य निर्धारित किये गए हैं। जी-20 ने तो शताब्दी के मध्य तक कार्बन न्यूट्रेलिटी तक पहुंचने का वादा भी किया है। कहीं बाढ़, कहीं सूखा तो कहीं बेमौसम बरसात के चलते 2023 को दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिक एक ऐसा वर्ष मान रहे हैं, जहां से पृथ्वी का पर्यावरण एक अज्ञात क्षेत्र यानी संकटकालीन परिवेश में प्रवेश कर रहा है। जाहिर है कि कॉप-28 में अब निर्णायक एवं कार्यकारी स्तर पहुंचना होगा, सिर्फ लुभावनी योजनाओं एवं भाषणों से काम नहीं चलने वाला, जैसा कि अभी इसमें शामिल 198 देश और उनके प्रतिनिधि कोरी खानापूर्ति करते आए हैं। कॉप की बैठकें भले ही अच्छे भविष्य की रूपरेखा बनाने के लिए आयोजित होती रही हों, लेकिन एक पेरिस समझौते को छोड़ दें तो अभी तक इसमें समस्या के समाधान के लिये बहुत काम नहीं हो पाया है। सभी प्रतिनिधि देशों को इस विकराल एवं ज्वलंत

समस्या से निजात पाने के लिये न केवल कमर कसनी होगी, बल्कि आर्थिक सहयोग भी करना होगा।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कॉप-28 में भाग लिया। उन्होंने ग्लासगो में आयोजित हुए अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन (सीओपी 26) में बढ़ते पर्यावरण संकट में पिछड़े देशों की मदद की वकालत की थी ताकि गरीब आबादी सुरक्षित जीवन जी सके। मोदी ने अमीर देशों को स्पष्ट संदेश दिया कि धरती को बचाना उनकी प्राथमिकता होनी ही चाहिए, वे अपनी इस जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। दरअसल कार्बन उत्सर्जन घटाने के मुद्दे पर अमीर देशों ने जैसा रुख अपनाया हुआ है, वह इस संकट को गहराने वाला है। जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने भारत ही नहीं पूरी दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। जलवायु संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैया को लेकर भारत की चिंता गैरवाजिब नहीं है। दुनिया को जलवायु परिवर्तन की चुनौती को गंभीरता से लेना होगा और इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठाने होंगे। अभी तक अपने स्वार्थ की वजह से दुनिया के कई देश इस दिशा में तेजी से कदम नहीं उठाते, खासतौर पर अमीर देश। दरअसल, नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए ग्रीन एनर्जी में भारी-भरकम निवेश करना होगा और प्रदूषण फैलाने वाले ईंधनों का इस्तेमाल घटाना होगा। लेकिन इससे कुछ समय के लिए आर्थिक ग्रोथ में कमी आ सकती है। इस वजह से भी एक हिचक कई देशों में दिखती है, जिसके कारण आने वाली पीढ़ियों एवं धरती पर पर्यावरण का भविष्य खराब हो सकता है।

भारत में ग्लोबल तापमान के चलते होने वाला विस्थापन अनुमान से कहीं अधिक है। मौसम का मिजाज बदलने के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राथमिक आपदाओं की तीव्रता आई हुई है। भारत में जलवायु परिवर्तन पर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार एनवायरमेंट एंड डवलपमेंट की जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़-सूखे के चलते फसलों की तबाही और चक्रवातों के कारण मछली पालन में गिरावट आ रही है। देश के भीतर भू-स्खलन से अनेक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भू-स्खलन उत्तराखंड एवं हिमाचल जैसे दो राज्यों तक सीमित नहीं बल्कि केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, सिक्किम और पश्चिम बंगाल की पहाड़ियों में भी भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन के चलते लोगों की जानें गई हैं, इन प्राकृतिक आपदाओं के शिकार गरीब ही अधिक होते हैं, गरीब लोग प्राथमिक विपदाओं का दंश नहीं झेल पा रहे और अपनी जमीनों से उखड़ रहे हैं। गरीब लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर चुके हैं। विस्थापन लगातार बढ़ रहा है। महानगर और घनी आबादी वाले शहर गंभीर प्रदूषण के शिकार हैं, जहां जीवन जटिल से जटिलतर होता जा रहा है।

भारत में नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर कई राज्यों की सरकारें आपस में उलझी हैं। किसी और को अपना पानी किसी भी हाल में न देने या किसी और से हर सूरत में पानी छीन लाने के नाम पर चुनाव लड़े और जीते जा रहे हैं। लेकिन नदियों की हालत कैसे सुधरे, उनका पानी कैसे बढ़ाया जाए और उन्हें कचरे का ढेर बनने से कैसे रोका जाए, यह बात राजनीति तो क्या नागरिक समाज के एजेंडे से भी बाहर है। एक आधुनिक कहावत है कि अपने ग्रह के साथ हम ऐसे खिलवाड़ कर रहे हैं, जैसे इसके विकल्प के रूप में कोई और ग्रह हमने बक्से में बंद कर रखा हो- यह बिगड़ जाएगा तो क्या हुआ, उससे खेल लेंगे!

अमेरिका की नैशनल इंटेलिजेंस इस्टीमेट रिपोर्ट में भारत को पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित उन 11 देशों में शामिल किया गया है, जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से चिंताजनक श्रेणी में माने गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये ऐसे देश हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आने वाली पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता के लिहाज से खासे कमजोर हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आने वाले समय में विश्व तापमान की दशा तय करने में चीन और भारत की अहम भूमिका रहने वाली है। आखिर चीन दुनिया का सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक देश है। भारत भले चौथे नंबर पर है, लेकिन चीन के साथ जुड़ इसलिए जाता है क्योंकि इन दोनों ही देशों में उत्सर्जन की मात्रा साल-दर-साल बढ़ रही है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जलवायु संकट एवं बढ़ते तापमान के कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है।

जरूरत है कि कॉप-28 अमीर राष्ट्रों को संवेदनशील एवं उदार होने के साथ-साथ प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने एवं उसके प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित करें, ताकि हम जलवायु महासंकट से मुक्ति पा जाये एवं 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। ग्लोबल वार्मिंग का खतरनाक प्रभाव ही है कि गर्मियां आग उगलने लगी हैं और सर्दियों में गर्मी का अहसास होने लगा है। इसकी वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। पर्यावरण के निरंतर बदलते स्वरूप ने निःसंदेह बढ़ते दुष्परिणामों पर सोचने पर मजबूर किया है। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। उससे मुक्ति के लिये जागना होगा, संवेदनशील होना होगा एवं विश्व के शक्ति सम्पन्न राष्ट्रों को सहयोग के लिये कमर कसनी होगी तभी हम जलवायु संकट से निपट सकेंगे अन्यथा यह विश्व मानवता के प्रति बड़ा अपराध होगा।

संपादक की कलम से

स्वदेशी के मंत्र ने भारत के आर्थिक विकास को नये पंख लगा दिये हैं

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता को संबोधित करते हुए सतत विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर बल दिया। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वॉकल फोर लॉकल का आह्वान आर्थिक विकास आधार बन रहा है। स्व-भाव एवं स्वदेशी के मंत्र ने आर्थिक विकास को पंख लगाये हैं जिससे अर्थ की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ने लगी है। भारत की आर्थिक तरक्की दुनिया को स्तंभित करने लगी है, क्योंकि भारत का घरेलू बाजार ही इतना विशाल है कि भारत को विदेशी व्यापार पर बहुत अधिक निर्भरता नहीं करनी पड़ रही है। भारत के बाजार से कई देशों का आर्थिक विकास होता रहा है, अब स्वदेश जागरण से देश का अर्थ देश में ही रहने लगा है।

चीन की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से दौड़ी थी और चीन के आर्थिक विकास में विदेशी व्यापार का सर्वाधिक योगदान था परंतु आज भारत की आर्थिक प्रगति में घरेलू कारकों एवं मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का प्रमुख योगदान है। वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, भारत की आर्थिक वृद्धि केवल 7 प्रतिशत से कम होने का अनुमान है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। सकल घरेलू उत्पाद 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर को पार कर जाएगा। भारत की 'नीली अर्थव्यवस्था' का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 4 प्रतिशत का योगदान है, जो अवसरों के सागर का प्रतिनिधित्व करता है। तट के किनारे नौ राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों, 12 प्रमुख और 200 से अधिक गैर-प्रमुख बंदरगाहों और नौगम्य जलमार्गों के व्यापक नेटवर्क के साथ, भारत महासागर आधारित व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में खड़ा है।

भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री की नित-नयी आर्थिक योजनाओं, अपनी जड़ों एवं माटी से जुड़ने, स्वदेशी अपनाने की प्रेरणा एवं विदेश यात्राओं का भी योगदान है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर (आईएमईसी) सबसे आशाजनक कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है। 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित, आईएमईसी एक मल्टीमॉडल आर्थिक गलियारा है जिसमें शिपिंग, रेलवे, रोडवेज, बिजली केबल, हाई-स्पीड डेटा केबल और एक हाइड्रोजन पाइपलाइन शामिल है। गलियारे का उद्देश्य परिवहन दक्षता को बढ़ाना, रसद लागत को कम करना, आर्थिक एकता को बढ़ावा देना, रोजगार उत्पन्न करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करके एक स्वच्छ, सुरक्षित दुनिया में योगदान देना है। भारत चीन से भी आगे निकलकर विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है, बड़ी आबादी को आर्थिक विकास का माध्यम बनाने में सरकार की सूझबूझ एवं योजनाएं कारगर साबित हो रही है। बड़ी आबादी के अनेक तरह के नुकसान हैं तो इसी से भारत में उत्पादों का उपभोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह भारत न केवल उत्पादों के उपभोग का प्रमुख केंद्र बन बन रहा है बल्कि विश्व के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत पूर्व में ही वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान स्तर 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2031 तक 7.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

राय

अंतरिक्ष में नासा के दबदबे को खत्म करने का संकल्प पूरा करने के करीब पहुँच चुका है चाइना

को अंतरिक्ष में अपने मिशनों के लिए एक विकल्प की जरूरत है जोकि वह उपलब्ध करायेगा। जरा सोचिये! चीन जब धरती पर रह कर ही दुनिया की इतनी जासूसी करता है तो ऐसे में यदि अंतरिक्ष में उसकी बादशाहत हो गयी तो वह अपना पूरा अमला ही दुनिया की निगरानी करने में लगा देगा।

जहां तक अंतरिक्ष में चीनी स्टेशन की बात है तो उसके बारे में बताया गया है कि चीनी अंतरिक्ष स्टेशन का परिचालन जीवनकाल 15 वर्ष से अधिक होगा। पहले इसका जीवनकाल मात्र 10 वर्षों का ही बताया गया था। हम आपको बता दें कि चीन का स्व-निर्मित अंतरिक्ष स्टेशन, जिसे तियांगोंग या चीनी में सेलेस्टियल पैलेस के रूप में भी जाना जाता है, वह 2022 के अंत से पूरी तरह चालू हो गया है। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन 450 किमी (280 मील) की कक्षीय ऊंचाई पर है और अभी यहां अधिकतम तीन अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। अभी चीन का जो अंतरिक्ष स्टेशन है वह आईएसएस के मुकाबले 40 प्रतिशत ही है क्योंकि नासा के नेतृत्व वाला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक साथ सात अंतरिक्ष यात्रियों को संभाल सकता है जबकि चीन का स्टेशन मात्र तीन अंतरिक्ष यात्रियों को ही एक साथ रख सकता है। इसीलिए चीन ने अब अपने अंतरिक्ष स्टेशन के छह मॉड्यूल तक विस्तार की योजना बनाई है। हम आपको बता दें कि दो दशकों से ज्यादा समय से अंतरिक्ष में मौजूद आईएसएस के 2030 के बाद निष्क्रिय होने की उम्मीद है। उससे पहले चीन का प्रयास है कि वह एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति बन जाये। हम आपको यह भी बता दें कि चीन के सरकारी मीडिया ने पिछले साल कहा था कि तियांगोंग पूरी तरह से चालू हो गया है। चीन ने यह भी कहा था कि ऐसे में जबकि आईएसएस अपना जीवनकाल समाप्त होने की ओर बढ़ रहा है तब चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों में कोई ढील नहीं देगा। चीन का यह भी दावा है कि कई देशों ने अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चीनी स्टेशन पर भेजने के लिए आग्रह करना शुरू भी कर दिया है।

हालांकि चीन के दावे पर एक तरह से सवाल उठाते हुए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने कहा है कि उसके पास चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने यात्रियों को भेजने के लिए बजट ही नहीं था इसलिए यूरोपीय अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना को बहुत पहले ही ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

बहरहाल, जहां तक चीन की अंतरिक्ष कूटनीति की बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह वर्षों से इस दिन की प्रतीक्षा के लिए प्रयास कर रहा था और अब वह अंतरिक्ष में नासा के दबदबे को खत्म करने का संकल्प पूरा करने के करीब पहुँच चुका है। हालांकि विस्तारवादी चीन के खतरनाक मंसूबों ने अंतरिक्ष में एक नई दौड़ को जन्म दे दिया है। देखा जाये तो आईएसएस से अलग होने के बाद चीन अंतरिक्ष क्षेत्र में अपने बढ़ते प्रभाव के चलते अमेरिका के लिए बहुत बड़ी चुनौती भी बन गया है। वैसे, अंतरिक्ष में सिर्फ चीन ही अपना सिक्का नहीं जमा रहा बल्कि भारत और रूस समेत अन्य देश भी अपनी योजनाएं बना रहे हैं। आईएसएस से अलग होने की घोषणा के बाद रूस ने भी अंतरिक्ष कूटनीति की कुछ योजनाएं बना कर काम शुरू कर दिया है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने पिछले साल कहा था कि वह छह मॉड्यूल वाला एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना बना रही है, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री रह सकेंगे। हम

मेलोडी राजनीतिक रूप से इतनी चॉकलेटी क्यों है?

नीरज कुमार दुबे

अगर मोदी और मेलोनी के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर आ रही प्रतिक्रियाओं को देखेंगे तो पाएंगे कि लोग दोनों प्रधानमंत्रियों को लेकर मजेदार टिप्पणियां कर रहे हैं। जैसे एक यूजर ने लिखा है कि इतिहास अपने को दोहरा रहा है, एक बार फिर भारत से बारात इटली जायेगी।

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी जब इस साल भारत की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री की ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग का जिक्र करते हुए उन्हें दुनिया में सबसे ज्यादा स्नेह और प्यार हासिल करने वाला नेता बताते हुए शर्मा गयीं थीं और प्रधानमंत्री मोदी भी मुस्कुरा दिये थे तब वह वीडियो वायरल हो गया था। इसके बाद से प्रधानमंत्री मोदी जब-जब भी इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी से मिले तब-तब दोनों की मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे और सोशल मीडिया पर मीम्स बनाने वालों ने मोदी और मेलोनी की दोस्ती को 'मेलोडी' नाम दे दिया और इन दोनों नेताओं की वैश्विक मंचों और द्विपक्षीय आधार पर होने वाली मुलाकातों की तस्वीरों का लोगों को इंतजार रहने लगा।

देखा जाये तो मोदी और मेलोनी जानते हैं कि सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल होती हैं इसलिए दोनों कोई मौका नहीं चूकते अपनी मुलाकातों की तस्वीरें पोस्ट करने का। प्रधानमंत्री मोदी जब इस सप्ताह दुबई में जलवायु परिवर्तन मुद्दे पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन में भाग लेने गये तो वहां भी उनकी इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी से मुलाकात हुई। दोनों नेता इस मुलाकात के दौरान काफी हंसते खिलखिलाते नजर आये। बस फिर क्या था वीडियो और तस्वीरें तमाम तरह के कैप्शन के साथ वायरल होने लगे। यही नहीं, मोदी और मेलोनी दोनों ने अपने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी अपनी मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट कीं जोकि देखते ही देखते वायरल हो गयीं। मोदी के साथ तस्वीर का मेलोनी को इतना फायदा हुआ कि सोशल मीडिया मंच एक्स पर दो मिलियन फॉलोअर रखने वालीं मेलोनी की मोदी के साथ फोटो को कुछ ही घंटों में 16 मिलियन लोगों ने देख लिया और उनके फॉलोअर्स की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो गया।

अगर मोदी और मेलोनी के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर आ रही प्रतिक्रियाओं को देखेंगे तो पाएंगे कि लोग दोनों प्रधानमंत्रियों को लेकर मजेदार टिप्पणियां कर रहे हैं। जैसे एक यूजर ने लिखा है कि इतिहास अपने को दोहरा रहा है, एक बार फिर भारत से बारात इटली जायेगी। एक यूजर ने लिखा कि मोदी जी को अब समझ आया कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी क्यों इटली गये थे। एक यूजर ने लिखा कि मोदी और मेलोनी की तस्वीरें देखने के बाद भाजपा के प्रवक्ताओं ने सोनिया गांधी के इतालवी मूल के मुद्दे पर निशाना साधना बंद कर दिया है। एक यूजर ने लिखा कि मोदी ने पहले राहुल गांधी के पारिवारिक गढ़ अमेठी में अपनी पैठ बनाई और अब उनके ननिहाल में भी अपनी पैठ बना रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि मोदी और मेलोनी की दोस्ती पर कांग्रेस का कोई नेता टिप्पणी करने का साहस नहीं जुटा पा रहा है क्योंकि सोनिया गांधी भी इतालवी मूल की हैं। एक यूजर ने लिखा कि भारत और इटली के संबंध अपने सबसे सुनहरे दौर में हैं। एक यूजर ने प्रसिद्ध विज्ञापन की तर्ज पर लिखा कि मेलोडी आखिर राजनीतिक रूप से इतनी चॉकलेटी क्यों है। इसी तरह की तमाम टिप्पणियां आपको दोनों प्रधानमंत्रियों के सोशल मीडिया अकाउंटों पर देखने को मिल जायेंगी।

लेकिन मजाक से हट कर जरा मोदी की कूटनीति को समझेंगे तो पाएंगे कि भारतीय प्रधानमंत्री के लिए देश हित ही सबकुछ है। समस्त भारतीयों को अपने परिवारजन कह कर संबोधित करने वाले प्रधानमंत्री मोदी दशकों पहले ही अपने परिवार को छोड़ भारत माता की सेवा करने निकल पड़े थे। जो लोग मोदी की मेलोनी के साथ तस्वीरों को देख कर आनंद ले रहे हैं वह दरअसल मोदी की कूटनीति को नहीं जानते। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद जिस तरह वैश्विक नेताओं के साथ अपने संबंध स्थापित किये हैं उसके चलते भारत को अनेकानेक लाभ हुए हैं और भारत के प्रति दुनिया का नजरिया भी बदला है। यह मोदी के करिश्माई नेतृत्व का ही कमाल है कि वह ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग में दुनिया में सबसे आगे हैं। मोदी सिर्फ भारत और भारतीयों की ही चिंता नहीं करते बल्कि वह दुनिया के किसी भी कोने में आपदा के समय सबसे पहले मदद भेजने वाले नेताओं में शुमार हैं और महामारी के समय वैक्सीन मैत्री अभियान चला कर उन्होंने पूरी दुनिया का दिल जीता था। इस सबके चलते ही वह पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेता बने हैं। जाहिर है जब कोई वैश्विक नेता उनसे मिलता है तो वह उनसे बहुत कुछ सीखना भी चाहता है और मित्रता भी करना चाहता है। मोदी भी किसी को निराश नहीं करते और सबके साथ घुल मिलकर बात करते हैं।

लोगों की स्मृतियों में मोदी की कई ऐसी तस्वीरें होंगी जब वह दुनिया के बड़े नेताओं के साथ गले मिलते हैं, हाथ मिलाते हैं, हाथ पकड़ कर बातें करते हैं या कंधे पर हाथ रखकर बात करते हैं। देखा जाये तो मोदी जब किसी राष्ट्राध्यक्ष से मिलते हैं तो उनकी पहली प्राथमिकता इस बात की रहती है कि कैसे अपने देश भारत के संबंध उस नेता के देश के साथ प्रगाढ़ किये जायें। जाहिर है इसके लिए व्यक्तिगत मित्रता बनाना बेहद जरूरी है क्योंकि सिर्फ राजनयिक या कूटनीतिक संबंध हर जगह काम नहीं आते। इसलिए मोदी सबसे मित्रता स्थापित करने पर जोर देते हैं तभी तो कभी अमेरिका के राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से मोदी से कहते हैं कि आप तो हमारे देश में मुझसे भी ज्यादा लोकप्रिय हैं, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री कह देते हैं कि मोदी बॉस हैं। यही नहीं, कोई राष्ट्राध्यक्ष मोदी के आगमन पर उनके पैर छू लेता है तो कोई उन्हें गले से लगाकर रखना चाहता है। विभिन्न देशों में मोदी को अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजने की होड़ दिखाती है कि मोदी दुनियाभर में कितने लोकप्रिय हैं।

इसके अलावा, मोदी की यह मित्रता वाली डिप्लोमेसी सिर्फ पुरुष नेताओं के साथ ही नहीं दिखती बल्कि महिला नेताओं के साथ भी मोदी बेहद सहज रहते हैं ताकि भारत को और दूसरे देशों में रह रहे भारतीयों को इसका लाभ हो। आप मोदी की फिनलैंड की प्रधानमंत्री साना मरीन के साथ मुलाकात देखिये। आप मोदी की स्वीडन की प्रधानमंत्री मैगडालेना एंडरसन के साथ मुलाकात देखिये, आप मोदी की तत्कालीन जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल के साथ मुलाकात देखिये, आप यूनान की राष्ट्रपति के साथ मोदी की मुलाकात देखिये, आप डेनमार्क की महारानी के साथ मोदी की मुलाकात देखिये, आप डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ मोदी की मुलाकात देखिये, आपको सब समझ आ जायेगा कि मोदी कैसे सभी से मित्रवत संबंध बना कर भारत और भारतीयों की राह आसान करते हैं। हम आपको याद दिला दें कि डेनमार्क की प्रधानमंत्री के साथ सैर करते हुए मोदी के वीडियो भी खूब वायरल हुए थे और तमाम टिप्पणियां की गयी थीं लेकिन चूंकि इटली और इलालवी मूल का मुद्दा भारत में दशकों से राजनीति से भी जुड़ा हुआ है इसलिए लोग इटली की प्रधानमंत्री के साथ मोदी की मुलाकातों पर जमकर टिप्पणियां कर रहे हैं। हम आपको यह भी बता दें कि मोदी जब किसी राष्ट्राध्यक्ष से मिलते हैं तो उनके परिजनों के साथ भी वह काफी सहज रहते हैं इसलिए आपने कई बार देखा होगा कि अमेरिका, फ्रांस तथा कई अन्य देशों के राष्ट्रपति की पत्नी भी प्रधानमंत्री मोदी के साथ जितना मुस्कुरा कर बात करती हैं उतना अन्य किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ वह सहज नहीं होतीं।

बहरहाल, नेता चाहे छोटा हो या बड़ा, सबको चर्चा में बने रहना भाता है। मोदी और मेलोनी समझ रहे हैं कि उनकी तस्वीरें उन्हें ग्लोबल चर्चा का केंद्र बना रही हैं। मोदी और मेलोनी समझ रहे हैं कि मेलोडी नाम कितना वायरल हो रहा है। मोदी और मेलोनी समझ रहे हैं कि उनकी तस्वीरों को देखकर लोग आनंद ले रहे हैं और इन तस्वीरों से उन्हें कोई राजनीतिक नुकसान होने की बजाय उनके फॉलोअर्स की संख्या में इजाफा ही हो रहा है, इसलिए दोनों नेता आगे भी ऐसा करते नजर आयें तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। फिलहाल तो यही कहा जा सकता है कि तमाम तरह की चुनौतियों से जूझ रही दुनिया को इस 'मेलोडी' ने मुस्कुराने का भरपूर मौका दे दिया है।

अप्रैल-सितंबर के दौरान कैमेन आइलैंड और साइप्रस से घटा एफडीआई, जानिए कितनी हुई गिरावट और क्या है कारण

सरकारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-सितंबर वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान केमैन द्वीप और साइप्रस से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में उल्लेखनीय गिरावट आई। समीक्षाधीन तिमाही में कुल एफडीआई प्रवाह 24 प्रतिशत गिर गया। जानिए किस इन दोनों देश से कितना कम हुआ एफडीआई क्या है गिरावट का कारण और विशेषज्ञों का क्या है मानना।

नई दिल्ली। भारत में विदेशी निवेश (FDI) के मामले में चिंता की खबर सामने आ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक,वित्त वर्ष 24 के अप्रैल-सितंबर के दौरान केमैन आइलैंड (Cayman Islands) और साइप्रस (Cyprus) से भारत में फॉरेन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट (Foreign direct investment) में काफी कमी आई है।

कहां से कितना एफडीआई हुआ कम?

आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-सितंबर के दौरान केमैन आइलैंड से एफडीआई 75 प्रतिशत घटकर 145 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 582 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।

वहीं साइप्रस से एफडीआई इनफ्लो 95 प्रतिशत से अधिक घटकर 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 764 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।

क्या है गिरावट के कारण?

विशेषज्ञों के मुताबिक गिरावट का कारण पूर्वी यूरोप और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थितियों के कारण अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में उच्च मुद्रास्फीति के कारण बढ़ी हुई ब्याज दरें हो सकती है।

पीटीआई को नांगिया एंडरसन इंडिया कि अंजलि मल्होत्रा ने कहा, 2023-24 की पहली छमाही के दौरान केमैन द्वीप और साइप्रस के साथ-साथ सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य टैक्स हेवेन से एफडीआई प्रवाह ने भी अपनी चमक खो दी है।

डेलॉइट इंडिया के संजय कुमार ने कहा,

साइप्रस से दुनिया भर में कुल एफडीआई आउटफ्लो 62 प्रतिशत की सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) से घट रहा है। इस साल अक्टूबर में, इस क्षेत्र को एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) द्वारा ग्रे सूची से हटा दिया गया था और इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में केमैन द्वीप से सकारात्मक एफडीआई प्रवाह हो सकता है।

अब तक 24 प्रतिशत गिरा एफडीआई

समीक्षाधीन तिमाही में एफडीआई इनफ्लो कुल 24 प्रतिशत गिरा है। कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, टेलीकॉम, ऑटो और फार्मा में कम इनफ्लो के कारण अप्रैल-सितंबर 2023-24 में भारत में एफडीआई 24 प्रतिशत घटकर 20.48 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

IRCTC से बुक करते हैं टिकट तो ये क्रेडिट कार्ड हैं आपके लिए बेस्ट, मिलेंगे ढेरों बेनिफिट

रोजाना कई लाख लोग ट्रेन से सफर करते हैं। ट्रेन में सफर को और आनंद बनाने के लिए कई कंपनी ट्रेन टिकट पर लोगों को छूट मिलता है। इसके अलावा इसमें कैशबैक रिवॉर्ड आदि लाभ मिलता है। इस आर्टिकल के जरिये हम जानते हैं कि कौन-सा बैंक के क्रेडिट कार्ड पर टिकट बुकिंग करते समय सबसे ज्यादा लाभ मिलता है।

नईदिल्ली। कई बैंक अपने ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड (Credit Card) पर कई तरह के लाभ देता है। ठीक, इसी प्रकार अगर क्रेडिट कार्ड के जरिये रेलवे की टिकट बुकिंग करते हैं तो उस पर अतिरिक्त लाभ मिलता है। इस कार्ड पर डिस्काउंट के साथ कैशबैक, रिवॉर्ड आदि का लाभ मिलता है।

देश भर में रोजाना कई लाख लोग ट्रेन में सफर करते हैं। अगर आप भी ट्रेन में सफर करने का सोच रहे हैं तो आपको एक बार जरूर चेक करना चाहिए कि कौन-से क्रेडिट कार्ड पर सबसे ज्यादा लाभ मिलता है।

एचडीएफसी बैंक

आईआरसीटीसी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड (IRCTC HDFC Bank Credit Card) पर रिवॉर्ड प्वाइंट का लाभ देते हैं। इस कार्ड की मदद से अगर टिकिट बुकिंग वेबसाइट या फिर रेलवे कनेक्ट ऐप पर खर्च करते हैं तो 100 रुपये पर 5 रिवॉर्ड प्वाइंट मिलता है। इसके अलावा इस पर 5 फीसदी कैशबैक का लाभ मिलता है और ट्रांजेक्शन पर 1 फीसदी का छूट मिलता है। इस कार्ड पर 500 रुपये का वार्षिक शुल्क लगता है। अगर 1 साल में 1,50,000 से ज्यादा खर्च करते हैं तो रिन्यू शुल्क माफ हो जाता है।

भारतीय स्टेट बैंक

आईआरसीटीसी एसबीआई प्लैटिनम कार्ड (IRCTC SBI Platinum Card) पर 350 एक्टिवेशन बोनस रिवॉर्ड प्वाइंट मिलता है। अगर irctc.co.in और आईआरसीटीसी मोबाइल ऐप से टिकट बुक करते हैं तो रिवॉर्ड प्वाइंट के रूप में 10 फीसदी मिलता है। वहीं ट्रांजेक्शन पर 1 फीसदी की राशि मिलती है। इसके अलावा इस कार्ड का लाभ एयरलाइन टिकट बुकिंग पर भी मिलती है। इस कार्ड की मदद से आप रेलवे लाउंज का भी एक्सेस मिल जाता है।

आईआरसीटीसी एसबीआई कार्ड प्रीमियर (IRCTC SBI Card Premier) पर भी प्रति 125 खर्चे पर 3 रिवॉर्ड प्वाइंट मिलता है। इस कार्ड पर आपको रेलवे लाउंज का एक्सेस मिलता है। इस कार्ड का लाभ पाने के लिए आपको 1,499 रुपये और जीएसटी का भुगतान करना होगा। यह वार्षिक शुल्क है।

बैंक ऑफ बड़ौदा

आईआरसीटीसी बीओबी रुपे क्रेडिट कार्ड (IRCTC BoB RuPay Credit Card) पर प्रति 100 रुपये पर 40 फीसदी का रिवॉर्ड प्वाइंट मिलता है। इस कार्ड के लिए आपको वार्षिक शुल्क पर 350 रुपये का शुल्क देना होगा। इस कार्ड में आपको 1,000 बोनस का लाभ पा सकते हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक

कोटक महिंद्रा बैंक ग्राहक को कोटक रॉयल सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड (Kotak Royale Signature Credit Card) पर रेलवे टिकट बुकिंग पर छूट मिलता है। इस कार्ड की मदद से आप 1 रुपये पर 4 रिवॉर्ड प्वाइंट का लाभ पा सकते हैं। इसके अलावा रेलवे सरचार्ज पर भी ग्राहकों को डिस्काउंट मिलता है।

इनसाइड

चुनावी परिणाम के दिन इन शहरों में अपडेट हुई पेट्रोल और डीजल की कीमत, यहां चेक करें लेटेस्ट रेट

अगर आप वाहन चलाते हैं तो रविवार को आपके शहर में एक लीटर पेट्रोल और डीजल की क्या कीमत है इसके बारे में आपको पता होना चाहिए। तेल कंपनियों ने आज पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनाए रखते हुए राष्ट्रीय स्तर को कोई बदलाव नहीं किया है हालांकि कीमतों को अपडेट जरूर किया गया है। पढ़िए क्या है पूरी खबर।

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी दिन रविवार 3 दिसंबर को देश के हर छोटे और बड़े शहरों के लिए तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को अपडेट कर दिया है। आज देश के 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में से 4 राज्यों के नतीजे आने वाले हैं, ऐसे में तेल की कीमतों पर इनका क्या असर पड़ा है इसके बारे में आपको पता होना चाहिए। आज तेल कंपनियों ने लोगों को राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है इसका मतलब चुनाव परिणामों के लिहाज से कीमतों को घटाया या बढ़ाया नहीं गया है। हालांकि आज भी तेल के दाम प्रतिदिन की तरह रिवाइज जरूर हुए हैं जिससे कुछ शहरों में कीमतों में कुछ पैसों का बदलावा देखने को जरूर मिल रहा है।

इन शहरों में तेल की कीमतों में हुआ बदलाव

गुड रिटर्न के मुताबिक आज तेल की कीमतें इस प्रकार हैं:

शहर	पेट्रोल (कीमत रुपये प्रति लीटर)	डीजल (कीमत रुपये प्रति लीटर)
नोएडा	97.00	90.14
गुरुग्राम	96.84	89.72
लखनऊ	96.47	89.66
तिरुवनंतपुरम	109.73	98.53

इन शहरों में स्थिर रही कीमत

नई दिल्ली	96.72	89.62
कोलकाता	106.03	92.76
मुंबई	106.31	94.27

दिसंबर में शनिवार और रविवार छोड़कर और 10 दिन बैंक रहेगा बंद, तुरंत निपटा लें अपना जरूरी काम

आरबीआई कैलेंडर के अनुसार दिसंबर में दूसरे और चौथे शनिवार और रविवार की सामान्य छुट्टियों को छोड़कर इस महीने की 4 से 30 तारीख तक विभिन्न कारणों से कुल 10 दिन बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में अगर आपको बैंकों से जुड़े जरूरी काम निपटाने हैं तो यह जानना जरूरी है कि किस शहर में किस दिन छुट्टी है।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के कैलेंडर के मुताबिक दिसंबर महीने में दूसरे और चौथे शनिवार और रविवार के रेगुलर छुट्टियों के अलावा इस महीने आगामी 4 तारीख से 30 तारीख तक कुल 10 दिन बैंक बंद रहेंगे।

ऐसे में आगर आपको बैंक से जुड़ा कुछ जरूरी काम करना है तो आपके लिए यह खबर जाननी जरूरी है कि किस दिन और किस शहर में बैंक की छुट्टीयां हैं। लोगों की सुविधा के लिए आरबीआई पहले ही कैलेंडर जारी कर यह सूचित कर देता है कि किस दिन और किस शहर में किन कारणों से बैंक में कामकाज नहीं होगा।

कहां और कब बैंक रहेंगे बंद?

दिन	शहर	कारण
4 दिसंबर	पणजी	सेंट फ्रांसिस जेवियर का पर्व
12 दिसंबर	शिलांग	पा-तोगन नेंगमिंजा संगमा
13 दिसंबर	गंगटोक	लोसूंग/नामसूंग
14 दिसंबर	गंगटोक	लोसूंग/नामसूंग
18 दिसंबर	शिलांग	यू सोसो थाम की पुण्यतिथि
19 दिसंबर	पणजी	गोवा लिबरेशन डे
25 दिसंबर	देश के सभी शहरों के बैंकों में छुट्टी	क्रिसमस
26 दिसंबर	कोहिमा, शिलांग	आइजोल, क्रिसमस
27 दिसंबर	कोहिमा	क्रिसमस समारोह
30 दिसंबर	शिलांग	यू किआंग नांगबाह

अगले हफ्ते आर्थिक विकास दर के नये लक्ष्य तय करेगा RBI, तीसरी तिमाही में भी अर्थव्यवस्था की रफ्तार बेहतर रहने के

आरबीआई के गवर्नर ने कुछ दिन पहले दूसरी तिमाही में बेहतर प्रदर्शन की बात कही थी लेकिन शायद उनको भी इस बात की उम्मीद ना हो कि केंद्रीय बैंक के अनुमान 6.5 फीसद से 1.2 फीसद ज्यादा (7.7 फीसद) की विकास दर भारतीय इकोनॉमी लगाने वाली है। ऐसे में अब आरबीआई चालू वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था की विकास को लेकर क्या अनुमान लगाता है इस पर नजर रहेगी।

नईदिल्ली। दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर, 2023) के लिए आर्थिक विकास के जो आंकड़े आए हैं, उसने घरेलू व वैश्विक आर्थिक शोध एजेंसियों के अनुमानों को धवस्त कर दिया है।

आरबीआई के गवर्नर ने कुछ दिन पहले दूसरी तिमाही में बेहतर प्रदर्शन की बात कही थी, लेकिन शायद उनको भी इस बात की उम्मीद ना हो कि केंद्रीय बैंक के अनुमान 6.5 फीसद से 1.2 फीसद ज्यादा (7.7 फीसद) की विकास दर भारतीय इकोनॉमी लगाने वाली है। ऐसे में अब आरबीआई चालू वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था की विकास को लेकर क्या अनुमान लगाता है, इस पर सभी की नजर रहेगी।

8 दिसंबर को होगी मौद्रिक नीति की समीक्षा

अगले हफ्ते यानी 08 दिसंबर, 2023 को मौद्रिक नीति की समीक्षा करते हुए आरबीआई गवर्नर की तरफ से अर्थव्यवस्ता की दशा को लेकर नए अनुमान लगाए जाने की संभावना है। अक्टूबर, 2023 में पिछली समीक्षा में आरबीआई ने 6.5 फीसद विकास दर रहने की बात कही थी।

उम्मीद से बेहतर रहने वाली है सालाना विकास दर

उधर, दूसरी तिमाही में भारत की विकास दर में अपेक्षा से अधिक तेजी रहने से तमाम वैश्विक एजेंसियां अचंभित हैं और उन्होंने मोटे तौर पर यह स्वीकार कर लिया है कि भारत की सालाना विकास दर उम्मीद से बेहतर रहने वाली है। बोफा (बीओएएफ) और सिटीग्रुप सहित कई ब्रोकरेज हाउस ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की विकास दर के अपने पूर्वानुमान को बढ़ा दिया है। इन सभी कंपनियों का मानना है कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष में सबसे तेज गति से बढ़ेगा।

'भारत के जीडीपी के आंकड़ों से सभी अंचभित'

सितंबर तिमाही में भारत की विकास दर 7.6 प्रतिशत रही, जो रायटर के पोल द्वारा लगाए गए 6.8 प्रतिशत के अनुमान से बहुत ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत की विकास दर 7.7 प्रतिशत रही है। भारतीय इकोनॉमी पर करीबी नजर रखने वाले किंग्स कॉलेज, लंदन के एसोसिएट रिसर्च फेलो क्यूनगुन किम ने लिखा है कि भारत के जीडीपी के आंकड़ों से सभी अंचभित हैं। दूसरी तिमाही में औसत अनुमान और वास्तविक वृद्धि दर के बीच 1.3 फीसद का बहुत ही बड़ा अंतर है। भारत के लिए यह शानदार खबर है, लेकिन निश्चित तौर पर विश्लेषकों को अब ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है।

क्या मान रहे विश्लेषक?

विश्लेषक यह भी मान रहे हैं कि तीसरी तिमाही यानी अक्टूबर से दिसंबर के जीडीपी के आंकड़े भी ऐसे ही चकित करने वाले होंगे। वजह यह है कि दूसरी तिमाही से घरेलू मांग में वृद्धि का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह त्योहारी सीजन (तीसरी सीजन) में और जोरों पर है। मसलन, अक्टूबर और नवंबर में वाहनों की बिक्री पिछली तिमाही से बेहतर रही है।

पीएम विश्वकर्मा योजना में इन लोगों को मिलता है गारंटी लोन, कम ब्याज के साथ सब्सिडी का भी मिलता है लाभ

Pm vishwakarma Yojana इस साल 15 अगस्त 2023 पर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने Pm vishwakarma Yojana का एलान किया था। यह योजना कारीगरों के लिए काफी लाभदायक साबित हुई। इस स्कीम में अगर कोई कारीगर अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो वह कम ब्याज में योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का लोन ले सकता है।

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने इस साल 'पीएम विश्वकर्मा योजना' (PM Vishwakarma Yojana) की शुरुआत की है। इस योजना के तहत कौशल को बढ़ाने के लिए लोन दिया जा रहा है। अगर आप भी अपना कारोबार शुरू करना चाहते हैं तो आप इस योजना के तहत 3 लाख लोन लेकर अपना कोराबार शुरू कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने इस योजना के लाभार्थी के लिए केवल 18 ट्रेडर्स ही तय किये हैं।

पीएम विश्वकर्मा योजना के बारे में

पारंपरिक कौशल रखने वाले कारीगर जैसे सुनार, लोहार, नाई और चर्मकार को इस योजना का लाभ मिलेगा। इसी तरह 18 पारंपरिक किसानों को भी इस स्कीम का लाभ मिलेगा। इस योजना के जरिये जहां एक ओर लोगों को खुद का बिजनेस शुरू करने में मदद मिलेगी तो वहीं दूसरी तरफ यह कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता मिलेगी।

इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें लोन दिया जाता है। इस योजना में दो चरण में लोन दिया जा सकता है। पहला लोन, 1 लाख रुपये का होता है। वहीं दूसरी चरण में 2 लाख रुपये का लोन दिया जाता है। यह लोन 5 फीसदी ब्याज पर दिया जाता है। इस स्कीम में लाभार्थी को लोन के साथ मास्टर द्वारा ट्रेनरों को दिया जाएगा। ट्रेनिंग में लाभार्थी को 500 रुपये प्रतिदिन का स्टाइपेंड भी मिलता है। इसके अलावा पीएम विश्वकर्मा सर्टिफिकेट और आईडी कार्ड, बेसिक और एडवांस ट्रेनिंग जैसे स्किल की ट्रेनिंग दी जाती है। टूलकिट के लिए 15,000 रुपये की राशि दी जाती है और डिजिटल ट्रांजेक्शन के लिए इन्सेंटिव दिया जाता है।

इन कारीगरों को मिलेगा लोन

पीएम विश्वकर्मा योजना में कारपेंटर (बढ़ई), नाव बनाने वाले, लोहार, ताला बनाने वाले, सुनार, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले (कुम्हार), मूर्तिकार, राज मिस्त्री, मछली का जाल बनाने वाले, टूल किट निर्माता, पत्थर तोड़ने वाले, मोची/जूता कारीगर, टोकरी/चटाई/झाड़ू बनाने वाले, गुड़िया और अन्य खिलौना निर्माता (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाले, धोबी, दर्जी के कारीगरों को योजना का लाभ मिलता है।

नवंबर में भी एफपीआई ने जारी रखी बिकवाली, पहले तीन कारोबारी सत्र में बेचे 3400 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर

नई दिल्ली। नवंबर महीने के पहले तीन कारोबारी सत्र में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पहले की तरह शेयर बाजार से बिकवाली जारी रखी है। 1,2 और 3 नंवबर के कारोबारी सत्र में एफपीआई ने 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है।

पिछले महीने कितने करोड़ की कि निकासी

इससे पहले के महीनों की बात करें तो अक्टूबर में एफपीआई ने कुल 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में कुल 14,767 करोड़ रुपये की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, 1-3 नवंबर के दौरान एफपीआई ने 3,412 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। सितंबर की शुरुआत से ही एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि निकासी से पहले, एफपीआई ने मार्च से अगस्त तक पिछले छह महीनों में शेयर बाजारों में लगातार खरीदी कर रहे थे और इस दौरान एफपीआई ने करीब 1.74 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था।

एफपीआई क्यों कर रहे हैं बिकवाली?

विशेषज्ञों की माने तो बिकवाली के पीछे मुख्य कारण इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई को मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट एडवाइजर इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर - मैनेजर रिसर्च, हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि इसका मुख्य कारण इजरायल और हमास के बीच संघर्ष के कारण बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के साथ-साथ अमेरिकी ट्रेजरी बांड पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि है। बढ़ती बॉन्ड यील्ड और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा नवंबर की बैठक में नरम रुख का संकेत देने के बाद अब भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई के अधिक निकासी की संभावना कम है।

नतीजों के बाद कितना बदला देश का सियासी नक्शा

नौ साल के मोदी राज में कितनी बदली तस्वीर?

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मतगणना जारी है। छह घंटों की मतगणना के बाद आंकड़ों को निर्णायक माना जा रहा है। तेलंगाना में भी सत्ता परिवर्तन के आसार हैं। राजस्थान-छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का जनाधार खिसकता दिख रहा है। मध्य प्रदेश में भाजपा को 160 से अधिक सीटों पर बढ़त है। चार राज्यों के जनादेश से मिल रहे सियासी संकेतों के बीच आइये जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश की सत्ता में आने बाद देश का सियासी नक्शा कैसे बदला है?

मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत पांच चुनावी राज्यों में से चार के नतीजे आज आएंगे। मिजोरम जहां सबसे पहले 7 नवंबर को वोट डाले गए थे, उसके नतीजे चार दिसंबर को आएंगे। इन पांच में से दो चुनावी राज्यों- राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इस वक्त कांग्रेस सरकार है। वहीं, मध्य प्रदेश में भाजपा, तेलंगाना में बीआरएस और मिजोरम में एमएनएफ सत्ता में है।

तीन दिसंबर को सुबह आठ बजे मतगणना शुरू होने के छह घंटे बाद आए आंकड़ों में तीन राज्यों में भाजपा को निर्णायक बढ़त मिलती दिख रही है। मध्य प्रदेश में भाजपा को 160 से अधिक सीटों पर बढ़त मिलती दिख रही है। कांग्रेस शासित राजस्थान में हर पांच साल में सरकार बदलने का राजनीतिक रिवाज बरकरार रहने के आसार दिख रहे हैं, यानी कांग्रेस बुरी तरह पिछड़ रही है। भाजपा 112 सीटों पर आगे है। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस को झटका लगने के संकेत हैं। भाजपा 54 सीटों पर आगे है। तेलंगाना में कांग्रेस को निर्णायक बढ़त के संकेत हैं। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (BRS) को झटका देते हुए कांग्रेस 65 सीटों काफी आगे दिख रही है। (सभी आंकड़े दोपहर चार बजे तक, ECI के आंकड़ों के मुताबिक)

चार राज्यों की मतगणना से इतर देश के बाकी राज्यों की बात करें तो इस वक्त 10 राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री हैं। वहीं, छह राज्यों की सरकार में भाजपा हिस्सेदार है। चार राज्यों में कांग्रेस के मुख्यमंत्री हैं। जबकि, तीन राज्यों में कांग्रेस गठबंधन सरकारों का हिस्सा है। सात राज्य ऐसे हैं जहां अन्य दलों की सरकारें हैं। दो राज्यों पंजाब और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी, तेलंगाना में बीआरएस, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस, ओडिशा में बीजद और केरल में लेफ्ट गठबंधन की सरकार है।

आइये जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश की सत्ता में आने बाद देश का सियासी नक्शा कैसे बदला है? मोदी सरकार बनने के वक्त कितने राज्यों में भाजपा और कितने राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी? कितने राज्यों में अन्य दल सत्ता में थे? कब देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले हिस्सों में भाजपा और उसके सहयोगी सरकारों का शासन आया? इस वक्त देश का सियासी नक्शा कैसा है?

मई 2014 में नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके सत्ता में आने के समय देश के सात राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगी दल सरकार चला रहे थे। इनमें पांच राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री थे, जबकि आंध्र प्रदेश और पंजाब में उसकी सहयोगी पार्टी सत्ता में थी। इन दो राज्यों में देश की छह फीसदी से ज्यादा आबादी रहती है। बाकी पांच राज्यों छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा के मुख्यमंत्री थे। इन राज्यों में देश की 19 फीसदी से ज्यादा आबादी रहती है।

यानी, जब नरेंद्र मोदी देश की सत्ता में आए उस वक्त करीब 26 फीसदी आबादी पर भाजपा और उसकी सहयोगी सरकारें चल रही थीं। उस वक्त देश के 14 राज्यों में कांग्रेस और उसके सहयोगी पार्टियों की सरकार थी। कांग्रेस शासित इन राज्यों में देश की 37 फीसदी से ज्यादा आबादी रहती है। इन राज्यों में महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे बड़े राज्य शामिल थे।

2018 में पीक पर पहुंची भाजपा

2014 में सात राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगियों की सरकार थी। चार साल बाद मार्च 2018 में 21 राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगियों की सरकार थी। इन राज्यों में देश की करीब 71 फीसदी आबादी रहती है। ये वो दौर था, जब भाजपा शासन आबादी के लिहाज से पीक पर था। वहीं, चार राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी। इन राज्यों की सात फीसदी आबादी रहती है।

अभी किन-किन राज्यों की सरकार में है भाजपा?

राज्य	किससे गठबंधन?
अरुणाचल प्रदेश	भाजपा-एनपीपी
असम	भाजपा, एजीपी, यूपीपीएल, बीपीएफ
गोवा	भाजपा, एमजीपी
गुजरात	भाजपा
हरियाणा	भाजपा, जेजेपी, एचएलपी
मध्य प्रदेश	भाजपा (छह घंटे की गिनती में निर्णायक बढ़त)
महाराष्ट्र	भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट)
मणिपुर	भाजपा
मेघालय	भाजपा
नगालैंड	एनडीपीपी, एनपीएफ, भाजपा
पुडुचेरी	एआईएनआरसी, भाजपा
सिक्किम	एसकेएम, भाजपा
त्रिपुरा	भाजपा, आईपीएफटी
उत्तर प्रदेश	भाजपा
उत्तराखंड	भाजपा

बदलती सियासी तस्वीर; तीन चुनावी राज्यों में भाजपा आगे, तेलंगाना में पहली बार कांग्रेस!

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में विस चुनाव के बाद दिसंबर, 2023 में देश का राजनीतिक मैप - फोटो : amar ujala graphics

कितने राज्यों की सरकार में कांग्रेस?

राज्य	किससे गठबंधन?
छत्तीसगढ़	कांग्रेस (रुझानों में भाजपा आगे)
राजस्थान	कांग्रेस (रुझानों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत के संकेत)
हिमाचल प्रदेश	कांग्रेस
झारखंड	जेएमएम, कांग्रेस
बिहार	जेडीयू, आरजेडी, कांग्रेस
तमिलनाडु	डीएमके, कांग्रेस
कर्नाटक	कांग्रेस

अब आगे क्या होगा?

अभी 15 राज्यों में भाजपा सत्ता में है। 2024 में लोकसभा और सात राज्यों के विधानसभा चुनाव भी होंगे। इनमें सिक्किम, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड शामिल हैं। अभी हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार है। ओडिशा में बीजद, आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की अगुवाई वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) की सरकार है।

कितना चला BJP का 'सांसदों' वाला दांव? MP-छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पार्टी ने ऐसे पलटा खेल

अब तक रुझानों को देखें तो भाजपा की 'सांसदों' वाली रणनीति कारगर साबित होती दिख रही है। दरअसल, भाजपा ने इन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कई सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था। पार्टी ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में सात-सात और छत्तीसगढ़ में चार मौजूदा सांसदों को टिकट दिया था। आइए जानते हैं भाजपा की यह रणनीति कितनी कारगर साबित हुई...

नई दिल्ली। चार राज्यों के विधानसभा चुनावों की मतगणना जारी है। अब तक रुझानों के मुताबिक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जबकि तेलंगाना में कांग्रेस आगे चल रही है। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 168 से ज्यादा सीट पर बढ़त के साथ सत्ता की ओर बढ़ती दिख रही है, जबकि कांग्रेस 61 सीट पर आगे है। भाजपा राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस से भी काफी आगे है। यहां की जनता पिछले तीन दशक से हर चुनाव में सरकार बदलती रही है। भाजपा 114 से ज्यादा सीट पर आगे है, जबकि कांग्रेस 70 से ज्यादा सीटों पर। इसके साथ ही कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में भी भाजपा 55 सीट पर और कांग्रेस 33 सीट पर आगे है।

अब तक रुझानों को देखें तो भाजपा की 'सांसदों' वाली रणनीति कारगर साबित होती दिख रही है। दरअसल, भाजपा ने इन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कई सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था। पार्टी ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में सात-सात और छत्तीसगढ़ में चार मौजूदा सांसदों को टिकट दिया था। आइए जानते हैं भाजपा की यह रणनीति कितनी कारगर साबित हुई...

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के लिए 17 नवंबर को वोट डाले गए थे। यहां भाजपा का कांग्रेस से सीधा मुकाबला था। राज्य की अहमियत समझते हुए भाजपा ने यहां अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। पार्टी ने सात सांसदों को विधायकी का चुनाव लड़ाकर इस बात का संकेत दे दिया था कि वह इस चुनाव को हल्के में नहीं ले रही। आइए जानते हैं सांसदों का हाल...

नरेंद्र सिंह तोमर (दिमनी): केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर विधानसभा सीट दिमनी से चुनाव लड़ा था। वर्तमान में यह सीट कांग्रेस के पास थी। 2018 के चुनाव में रविंद्र तोमर यहां से जीते थे। कांग्रेस ने इस बार भी रविंद्र पर ही दांव खेला था। अब तक रुझानों के मुताबिक, तोमर 6672 वोट से आगे चल रहे हैं।

प्रहलाद पटेल (नरसिंहपुर): केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल महाकोशल की सीट नरसिंहपुर से चुनाव मैदान में थे। वर्तमान में यह सीट भाजपा के ही पास है। 2018 के चुनाव में प्रहलाद पटेल के भाई जालम यहां से चुनाव जीते थे। लेकिन इस बार उनके स्थान पर उनके बड़े भाई प्रह्लाद पटेल को टिकट दिया गया था। फिलहाल प्रहलाद 17 हजार से अधिक वोटों से आगे चल रहे हैं।

फग्गन सिंह कुलस्ते (निवास): केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते मंडला की निवास सीट से चुनाव प्रत्याशी थे। ये सीट भी महाकौशल में आती है। कांग्रेस ने सिटिंग एमएलए का टिकट काटकर चैन सिंह को टिकट दिया था। अभी ये सीट कांग्रेस के पास है, जिसे जीतने का दवाब कुलस्ते पर था। अब तक के रुझानों में कुलस्ते 9 हजार वोटों से पिछड़ रहे हैं।

उदयराव प्रताप सिंह (गाडरवाड़ा): सांसद उदयराव प्रताप सिंह नरसिंहपुर की गाडरवाड़ा सीट से उम्मीदवार थे। ये सीट भी महाकौशल में आती है। कांग्रेस की सुनीता पटेल उदयराव के सामने थीं। ये सीट अभी कांग्रेस के पास ही थी। फिलहाल के रुझानों में उदयराव 43 हजार से अधिक वोटों से आगे चल रहे हैं।

रीती पाठक (सीधी): सांसद रीती पाठक सीधी सीट से चुनाव लड़ रही थीं। यहां भाजपा के बागी केदार शुक्ल ने इनकी मुश्किलें बढ़ा रखी थीं। कांग्रेस ने यहां से ज्ञान सिंह को टिकट उतारा था। यह सीट अभी भाजपा के पास है और अब तक के रुझानों में यह बरकरार रहते दिख रही है। रीति यहां 13 वोटों से आगे चल रही हैं।

गणेश सिंह (सतना): सांसद गणेश सिंह सतना से प्रत्याशी थे। उनका मुकाबला कांग्रेस के सिद्धार्थ कुशवाहा से था। ये सीट अभी कांग्रेस के पास है, लेकिन इस बार भाजपा यहां से आगे दिख रही है। गणेश सिंह फिलहाल 582 वोट से आगे चल रहे हैं।

राकेश सिंह (जबलपुर पश्चिम): सांसद राकेश सिंह जबलपुर पश्चिम से चुनाव मैदान में थे। उनके सामने कांग्रेस के पूर्व मंत्री तरुण भनोट थे। ये सीट कांग्रेस के पास थी, लेकिन अब यहां समीकरण बदलते दिख रहे हैं। राकेश सिंह अब तक 30 हजार वोटों से आगे चल रहे हैं।

Results 2023 How much did BJP Madhya Pradesh Chhattisgarh Rajasthan MP Plan worked know all equations Updates

राजस्थान में इन सांसदों पर लगाया था दांव

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को झोटावाड़ा विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया था। इसी तरह दिया कुमारी को विद्याधर नगर, बाबा बालकनाथ को तिजारा, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को सवाई माधोपुर, भागीरथ चौधरी को किशनगढ़, देवजी पटेल को सांचोर और नरेंद्र कुमार खींचड़ को मंडावा सीट से प्रत्याशी बनाया गया था।

राज्यवर्धन सिंह राठौड़: भाजपा ने सांसद राठौड़ को जयपुर की झोटवाड़ा विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया था। राठौड़ जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट से सांसद और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री भी हैं। इनका जन्म 29 जनवरी 1970 को जैसलमेर में हुआ था। राठौड़ पूर्व निशानेबाज भी रहे हैं। अब तक रुझानों के मुताबिक, राज्यवर्धन 50 हजार से अधिक वोटों से आगे चल रहे हैं।

दीया कुमारी: भाजपा ने इन्हें विद्याधर नगर सीट से प्रत्याशी बनाया था। ये सीट भी जयपुर जिले में आती है। दिया कुमारी का जन्म जयपुर में हुआ था। वे राजसमंद सीट से सांसद हैं। इससे पहले वे सवाई माधोपुर से विधायक भी रह चुकी हैं। जयपुर की राजकुमारी दिया जयपुर के महाराजा सवाई सिंह और महारानी पद्मिनी देवी की बेटी हैं। 10 सितंबर 2013 को राजनीतक सफर की शुरुआत करते हुए दिया भाजपा में शामिल हुई थीं। दीया कुमारी ने 71368 वोटों से जीत दर्ज की है।

बाबा बालकनाथ: विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बाबा को तिजारा विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया था। ये राजस्थान के अलवर जिले की सीट है। बालकनाथ वर्तमान में अलवर लोकसभा सीट से सांसद और बाबा मस्त नाथ विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं। वह नाथ संप्रदाय के आठवें प्रमुख महंत हैं। बाबा बालकनाथ का जन्म 16 अप्रैल 1984 को कोहराणा गांव में हुआ था। अब तक वे 11417 वोटों से आगे चल रहे हैं।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा: राज्यसभा सांसद मीणा को भाजपा ने सवाई माधोपुर सीट से टिकट दिया था। मीणा किसान छवि के नेता हैं, पूर्वी राजस्थान में उनकी पकड़ मजबूत है। इसी का नतीजा है कि उन्हें प्रदेश में 'बाबा' के नाम से भी जाना जाता है। किरोड़ी लाल मीणा भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़कर कई बार विधायक और सांसद बन चुके हैं। एक ये भाजपा से अलग होकर पीए संगमा की पार्टी राष्ट्रीय जनता पार्टी (राजपा) में शामिल भी हो गए थे, लेकिन सफलता नहीं मिली। एक बार दौसा से निर्दलीय चुनाव लड़कर सांसद भी बन चुके हैं। 71 साल के सांसद मीणा का जन्म 3 नवंबर 1951 को दौसा में हुआ था। अब तक के रुझानों में मीणा 18458 हजार से अधिक वोटों से आगे चल रहे हैं।

भागीरथ चौधरी: भाजपा ने सासंद चौधरी को किशनगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाया था। ये विधानसभा सीट अजमेर जिले में आती है। भागीरथ अजमेर लोकसभा सीट से सांसद हैं। राजस्थान 2013 विधानसभा चुनाव में वे किशनगढ़ सीट से विधायक भी रह चुके हैं। भाजपा ने पुरानी सीट से ही 16 जून 1954 में जन्मे भागीरथ को एक बार फिर प्रत्याशी बनाया, लेकिन यह दांव उल्टा पड़ता दिख रहा है। वे फिलहाल 45 हजार वोटों से पिछड़कर तीसरे स्थान पर चल रहे हैं।

देवजी पटेल: सांचोर विधानसभा सीट से भाजपा ने पटेल को प्रत्याशी बनाया था। ये सीट जालोर जिले में आती है। देवजी पटले जालोर सिरोही संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार सांसद हैं। वे 2009, 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में लगातार जीते हैं। 47 साल के देवजी पटेल को देवजी भाई एम पटेल के नाम से भी जाना जाता है। उनका जन्म 24 सितंबर 1976 को जालौर के जाजुसन सांचोर में हुआ था। इस बार वे अब तक 56 हजार वोटों से पीछे चल रहे हैं और वे तीसरे नंबर पर हैं।

नरेंद्र कुमार खीचड़: भाजपा ने मंडावा सीट से नरेंद्र को विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया था। ये सीट प्रदेश के झुंझुनूं जिले में आती है। नरेंद्र वर्तमान में लोकसभा सीट झुंझुनूं से ही सांसद हैं। नरेंद्र अपने क्षेत्र में 'प्रधानजी' के नाम से लोकप्रिय हैं। नरेंद्र 2004 में भाजपा में शामिल हुए थे। 2008 में चुनाव लड़े, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। 2013 में भाजपा ने टिकट नहीं तो निर्दलीय चुनाव लड़ा और जीत दर्ज कर विधायक बने। इसके बाद फिर भाजपा का दामन थाम लिया। 2018 में भी विधानसभा चुनाव जीते। इस बार फिर भाजपा ने उन्हें टिकट दिया, लेकिन वे कमाल करते दिखाई नहीं दे रहे हैं। फिलहाल वे 18 हजार वोट से पीछे चल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में चार सांसदों की किस्मत दांव पर

छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में चुनाव कराए गए थे। पहले चरण के तहत 20 सीटों पर 7 नवंबर और दूसरे चरण के तहत 70 सीटों पर 17 नवंबर को वोट डाले गए थे। भाजपा ने यहां अपने चार सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था। आइए जानते हैं उनका क्या हुआ...

रेणुका सिंह (भरतपुर-सोनहत): केंद्रीय राज्य मंत्री सरगुजा संसदीय सीट से सांसद हैं। रेणुका सिंह 2003 में विधायक रह चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद क्षेत्र में उनका जनाधार बढ़ा। वे प्रेम नगर सीट से 2003, 2008 में विधायक भी रह चुकी हैं। अब तक रुझानों में वे 5433 वोटों से आगे चल रही हैं।

गोमती साय (पत्थलगांव): गोमती साय रायगढ़ लोकसभा सीट से सांसद हैं। उन्हें भाजपा ने पत्थलगांव विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया था। उनका मुकाबला कांग्रेस के रामपुकार सिंह ठाकुर से था। अब तक गोमती दो हजार से ज्यादा वोटों से आगे चल रही हैं।

अरुण साव (लोरमी): बिलासपुर संसदीय सीट से सांसद हैं। साव पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। अरुण साव को लोरमी से चुनाव मैदान में उतारा गया था। बिलासपुर से सांसद होने के कारण साव का प्रभाव कई सीटों पर है, इसलिए उन्हें उम्मीदवार बनाया गया। फिलहाल वे 38 हजार वोटों से आगे चल रहे हैं।

विजय बघेल (पाटन): विजय बघेल 2019 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। उन्होंने दुर्ग लोकसभा सीट से चुनाव जीता था। इससे पहले वे तीन बार विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। इस बार पार्टी ने उन्हें चाचा और प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने मैदान में उतारा था। उन्होंने उन्हें कड़ी टक्कर भी दी। दोनों कई बार एक-दूसरे से आगे भी निकले। अब तक रुझानों के मुताबिक, विजय अपने चाचा से 10 हजार वोट से पीछे चल रहे हैं।

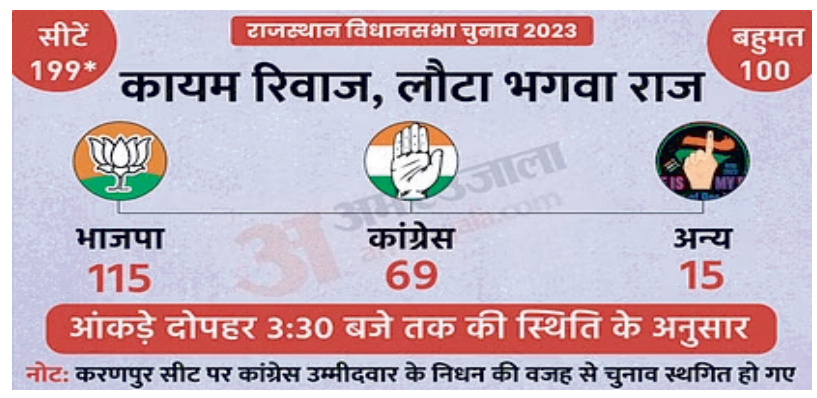

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023